राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 21 जून 2025 वर्ष-8,अंक-122 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुस्लिमों पर फिर मेहरबान हुई कर्नाटक की कांग्रेस सरकार

- एक और योजना में बढ़ाया कोटा तो भड़क उठी भाजपा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस शासित कर्नाटक की सिद्धरमैया सरकार ने मुस्लिमों पर फिर मेहरबानी दिखाई है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने राज्य में विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का पैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा, ''राज्य भर में शहरी और

ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में आवास विभाग द्वारा लागू की जा रही विभिन्न आवास योजनाओं के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है।'' उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यकों में बेघरों की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कांग्रेस सरकार द्वारा यह फैसला सरकारी सिविल ठेकों में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण संबंधी विधेयक पारित करने के कुछ सप्ताह बाद लिया गया है।

सीएम योगी ने कार से देखा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

- आजमगढ़ में बोले-बेटियों की सुरक्षा पर सेंध लगाई तो यमराज का टिकट पक्का

आजमगढ़/गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी ने शुक्रवार को आजमगढ़ से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। एक्सप्रेस-वे के बीच खड़े होकर फोटो खिंचवाई। आजमगढ़ के सलारपुर में जनसभा को संबोधित किया। फिर 91.35 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे का कार से निरीक्षण करते हुए गोरखपुर पहुंचे। सीएम ने कहा- जो बेटियों और व्यापारियों की

सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसके लिए यमराज का टिकट रिजर्व करवा देंगे। सीएम ने कहा- अयोध्या के बाद अब मथुरा-वृंदावन की बारी है। हमारा काम वहां भी शुरू हो चुका है। हम विरासत का संरक्षण भी करेंगे और विकास भी। 2017 के पहले भर्ती आने पर चाचा और भतीजा वसूली करने के लिए निकल जाते थे। यानि वहां पर भी भेद होता था।

लालू के 'एमवाय' के जवाब में मोदी का 'डीएमपीए' दांव

पीएम ने सीएम नीतिश के साथ सेट कर दिया बिहार चुनाव 2025 का एजेंडा

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सिवान की भूमि से राजद के एमवाय समीकरण के जवाब में डीएमपीए के फार्मूले को सार्वजनिक करके जीत का मंत्र दे डाला। भले मुद्दा पुराना हो लेकिन नए तेवर के साथ पीएम मोदी ने बिहार की जनता के सामने उस सच को रखा, जिसे आज के नवयुवक किस्से कहानियां समझते हैं। लालटेन और पंजा की सरकार ने बिहार को अपराध, जंगलराज और भ्रष्टाचार में डबो रखा था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने विकास का मतलब समझाया। अब तक माई समीकरण के बल पर सत्ता का दुख भोग रहे राष्ट्रीय जनता दल के सामने पीएम मोदी ने एक बड़े जातीय समीकरण को खड़ा कर जीत की बाजी चल दी। कहा कि ये लालटेन और पंजा वाली सरकार ने डीएमपीए यानि दलित ,महादलित / पिछड़ा,अतिपिछड़ा का कोई भला नहीं किया। ये लालटेन और पंजे वालों ने गरीबी हटाओ का सिर्फ नारा दिया, लेकिन इस सरकार का गरीबों से कोई लेना देना नहीं।

- **राजद के अम्बेडकर के अपमान को बनाया मुद्दा**- हाल ही में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद अपने जन्मदिन पर इसलिए चर्चा में आए कि एक वीडियो में अम्बेडर की तस्वीर को उनके पैरों के पास दिखाया गया। पीएम मोदी ने इस मुद्दे को काफी जबरदस्त तरीके से उठाते कहा कि लालटेन और पंजे वाले के लिए अम्बेडकर की जगह पैरों के नीचे है। लेकिन पीएम मोदी तो बाबा साहेब अम्बेडकर को सीने में रखता है। इस मौके पर पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के विकास कार्यों की चर्चा करते कहा कि बिहार का मढ़ौरा से पहला रेल इंजन अफ्रीका जा रहा है। बिहार का इंजन अफ्रीका की रेलगाड़ी को चलाएगा।

अगले सप्ताह चीन जा रहे हैं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

- गलवान झड़प के बाद पहला दौरा, कई मायनों में खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले सप्ताह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। यह यात्रा 2020 के गलवान संघर्ष के बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री की चीन की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। एससीओ की इस

बैठक में भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान सहित 10 देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग, आतंकवाद विरोधी उपायों और कनेक्टिविटी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। राजनाथ सिंह इस बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से बात कर सकते हैं।

भारत-चीन संबंधों में सुधार के संकेत

यह यात्रा भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने कई विश्वास-बहाली के उपाय शुरू किए हैं। इनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली, नदियों के जल डेटा साझा करना, सीधी हवाई उड़ानों की बहाली और वीजा प्रक्रिया को आसान करना शामिल है। भारत ने चीन की एससीओ अध्यक्षता को भी समर्थन दिया है।

इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरानी मिसाइल

6 लोग घायल,कई गाड़ियों में लगी आग,इजराइल का पलटवार

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी,

जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

जंग के कारण 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हुए

इजराइल और ईरान के बीच 8 दिनों से जारी जंग के कारण अब तक 8,000 से ज्यादा इजराइली बेघर हो गए हैं। येदिओथ अहरोनोथ अखबार ने इजराइली संपत्ति कर मुआवजा कोष का हवाला देते हुए बताया कि ईरानी हमले से इमारतों या वाहनों को हुए नुकसान के कारण मुआवजे के लिए करीब 30,000 एप्लिकेशन आए हैं।

हवाई अड्डों के पास से हटाए जाएंगे सभी अवरोध

सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ और भवनों की आएगी शामत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के एक सप्ताह बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने विमान सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली संरचनाओं पर नियंत्रण को और कड़ा करने के लिए नए मसौदा नियम जारी किया है। यह मसौदा 18 जून को जारी किया गया था और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद यह लागू हो जाएगा।

नया नियम लागू होने के बाद हवाई अड्डों के पास से ऊंचे भवन और पेड़ जैसे अवरोध हटाए जाएंगे या उनकी ऊंचाई कम कर दी जाएगी। इन नियमों का उद्देश्य अधिकारियों को हवाई अड्डा क्षेत्रों में सीमा से अधिक ऊंचाई वाले पेड़ों और भवनों के

खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने की शक्ति देना है। इसे उड़ान पथ में अवरोध के कारण होने वाली संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए एक कदम के रूप में देखा जा रहा है। मसौदे के तहत निर्धारित ऊंचाई सीमा का उल्लंघन करने वाली किसी भी संरचना को हवाई अड्डे के प्रभारी अधिकारी द्वारा नोटिस दिया जा सकता है।

इस्लामिक देशों के हैंडलर संभाल रहे हैं कांग्रेस का सोशल मीडिया

असम सीएम ने कहा-5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट सक्रिय

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि असम कांग्रेस के पक्ष में 5,000 से अधिक सोशल मीडिया अकाउंट अचानक सक्रिय हो गए हैं, जिनमें से अधिकतर इस्लामिक देशों से ऑपरेट हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इन

सोशल मीडिया अकाउंट्स की उत्पत्ति 47 अलग-अलग देशों से हुई है, जिनमें सबसे ज्यादा अकाउंट बांग्लादेश और पाकिस्तान से हैं। ये अकाउंट पिछले एक महीने से असम कांग्रेस की गतिविधियों और एक विशेष कांग्रेस नेता पर केंद्रित हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ये अकाउंट्स राज्य के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं।

पक्षी के टकराने से रद्द हुई एयर इंडिया की फ्लाइट, पुणे में सुरक्षित लैंडिंग

* शुक्रवार को कुल 9 फ्लाइट्स हुईं कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के विमान को फिर परेशानी का सामना करना पड़ा है। दिल्ली से पुणे के लिए रवाना हुआ विमान एक पक्षी से टकरा गया। इसके बाद एयरलाइन को इसकी वापसी की यात्रा रद्द करनी पड़ी। एयरलाइंस ने कहा कि विमान पुणे में सुरक्षित लैंड हुआ। इसके बाद ही पक्षी के टकराने की बात पता चली। एयरलाइंस ने बताया कि 20 जून को पुणे से दिल्ली के लिए उड़ी फ्लाइट्स को पक्षी के टकराने के कारण रद्द किया गया है। आने वाली उड़ान के पुणे में सुरक्षित उतरने के बाद पक्षी के टकराने का पता चला। कंपनी ने कहा कि वे यात्रियों को ठहराने की सुविधा प्रदान करने सहित समस्त इंतजाम कर रही है। एयर इंडिया ने कहाकि रद्दीकरण या पुनर्निर्धारण पर यात्रियों को राशि वापस करने की पेशकश भी की जा रही है, वहीं यात्रियों को दिल्ली ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि इसके पहले एयर इंडिया बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच 16 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें कम होंगी। इसके अलावा इस दौरान तीन विदेशी गंतव्यों पर उड़ानें निलंबित रहेंगी। इन फ्लाइट्स में विभिन्न देशों की उड़ानों के साथ-साथ कुछ डोमेस्टिक फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई हैं। इससे यात्रियों की परेशानी भी बढ़ी है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कहाकि इसका उद्देश्य कार्यक्रम स्थिरता बहाल करना और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करना है।

पाक ने किया ट्रंप के दावों को खारिज बोला- भारत को हमला नहीं करने के लिए सऊदी प्रिंस ने मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाया। हालांकि भारत ने हर बार उनके दावों को सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप के दावों के उलट पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने बताया कि हमले के तुरंत बाद सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने उनसे संपर्क किया और इच्छा जताई कि वे भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात कर भारत-पाक तनाव को कम करने में मदद करें। डार ने कहा, सऊदी प्रिंस फैसल बिन सलमान ने फोन करके पूछा कि क्या वह जयशंकर को बता सकते हैं कि पाकिस्तान रुकने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इसहाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस और शोरकोट एयरबेस पर एयरस्ट्राइक की थी। यह हमला 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में था जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने भी हाल ही में स्वीकार किया कि भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से पाकिस्तान के कई क्षेत्रों पर हमला किया, जिनमें रावलपिंडी का एयरपोर्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत ने फिर से मिसाइल हमले किए और हमारे विभिन्न प्रांतों, खासकर रावलपिंडी एयरपोर्ट को निशाना बनाया। उन्होंने यह भी कबूल किया कि 10 मई को तड़के 4-30 बजे पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई की योजना थी, लेकिन 9-10 मई की रात भारत के दूसरे दौर के हमले ने उस योजना को विफल कर दिया।

भारत सरकार ने अपने ऑपरेशन को सटीक, मापी गई और गैर-उत्तेजक कार्रवाई करार दिया था। भारत का दावा था कि उसने केवल आतंकी ढांचों और उन ठिकानों को निशाना बनाया, जो सीमा पार से हो रहे हमलों की योजना और समर्थन में शामिल थे। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई को हुई, जिसमें भारत ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के जरिए पाकिस्तान व पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (क्क्च्य) में स्थित आतंकी ठिकानों और सैन्य बेसों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारत के सैन्य ठिकानों पर हमलों की कोशिश की, लेकिन भारत ने और भी प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। लगातार चार दिनों तक चले इस टकराव के बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच युद्धविराम पर एक अनौपचारिक समझौता हुआ।

राहुल गांधी ने शाह के बयान पर किया पलटवार और कहा-

भाजपा-आरएसएस तो चाहते ही नहीं कि भारत के गरीब का बच्चा अंग्रेजी सीखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंग्रेजी भाषा के खिलाफ दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट की है। राहुल ने कहा है, कि बीजेपी और आरएएस के लोग नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि वो आगे बढ़ें और बराबरी करें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, है, कि 'अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है और अंग्रेजी शर्म नहीं बल्कि शक्ति है। अंग्रेजी ज़ंजीर नहीं, ज़ंजीरें तोड़ने का औज़ार है। बीजेपी-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा भी अंग्रेजी सीखे क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें और आगे बढ़ें, बराबरी करें। इसके साथ ही उन्होंने अपनी पोस्ट में आगे कहा, आज की दुनिया में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी कि आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है और ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का अवसर दे।

क्या कहा था शाह ने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने एक बयान में कहा था, कि इस देश में जो लोग अंग्रेजी बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म महसूस होगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। उन्होंने इस आशय का बयान गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व आएएस आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं के विमोचन कार्यक्रम में दिया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों संग मनाया जन्मदिन, दिव्यांगजनों को समर्पित किया खास दिन

-राष्ट्रपति ने कहा- दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता

देहरादून (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) के छात्रों संग मिलकर मनाया। यहां बताते चलें कि राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर हैं और आज जन्मदिन का छात्रों के बीच रहना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा है।

इससे पहले जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भव्य स्वागत किया। जहां से वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचीं। पूरे दौरे के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अमला पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने एनआईईपीवीडी परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया और उन्हें बेहतर जीवन जीने के टिप्स दे उनका हौसला भी बढ़ाया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि यह पहला अवसर नहीं है जब मैं अपना जन्मदिन दिव्यांगजनों के साथ मना रही हूं। 2023 में भी मैंने इसी संस्थान में यह खास दिन उनके साथ बिताया था। उन्होंने आगे कहा कि दिव्यांगजनों को दया की नहीं, सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि सभी नागरिक दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील बनें और उनके सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने मौजूद छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इनमें वह क्षमता है जो देश के विकास में अहम योगदान दे सकती है। इस विशेष अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यपाल गुरमीत सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने बच्चों के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और उनके साथ समय भी बिताया।

राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चाक-चौबंद हैं। उनके तीन दिवसीय प्रवास (19 से 21 जून) के दौरान राजधानी देहरादून सहित अन्य क्षेत्रों में कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है ताकि

आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू अपने दौरे के दौरान उत्तराखंडवासियों के लिए कुछ बड़ी सौगातों की घोषणा भी कर सकती हैं। इससे राज्य को सामाजिक और संरचनात्मक विकास की दिशा में नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जीवन जीने की कला का नाम योग

(लेखक- हर्षवर्धन पाण्डे)

(अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून पर विशेष)

योग, जिसका शाब्दिक अर्थ है जोड़ या मिलन न केवल शारीरिक व्यायाम का एक रूप है, बल्कि यह जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सार्थक ढंग से जीने की कला भी है। यह प्राचीन भारतीय दर्शन और अभ्यास है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग केवल आसन या शारीरिक मुद्राओं तक सीमित नहीं है; यह ध्यान, प्राणायाम, नैतिक अनुशासन और आध्यात्मिक विकास का एक समग्र मार्ग है।

भारत की पुण्य सलिला भूमि अनादिकाल से योग भूमि के रूप में विख्यात रही है लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2015 से हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा के बाद लगभग पूरी दुनिया जान चुकी है कि जीवन जीने की कला का नाम योग है। स्वयं की स्वयं के माध्यम से स्वयं तक पहुँचने की यात्रा का नाम योग है। 21 जून को उत्तरी गोलार्ध पर सबसे बड़ा दिन होता है। इसी दिन सूर्य अपनी स्थिति बदल कर दक्षिणायन होते हैं। तपस्वियों की गहन तपस्या से यह माटी धन्य है जो अनेक साधना के शिखर पुरुषों की साक्षी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयत्नों से आज भारत आज पूरे विश्व में भारत का योग एक बड़े वैश्विक फलक में उभर कर आया है जो सम्पूर्ण मानवता के लिए एक शुभ संकेत है।

योग का अभ्यास जीवन में शांति, संतुलन और आत्म-जागरूकता लाता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां तनाव, चिंता और शारीरिक रोग आम हो गए हैं, योग एक ऐसी कला के रूप में उभरता है जो हमें इन चुनौतियों से निपटने में मदद करता है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्थिरता भी प्रदान करता है। योग के आसन शरीर को लचीला बनाते हैं और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं।नियमित योग अभ्यास रक्त संचार को बेहतर बनाता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।पीठ दर्द, जोड़ों का दर्द और अन्य शारीरिक समस्याओं में योग से राहत मिलती है।प्राणायाम और ध्यान तनाव को कम करने और मन को शांत करने में मदद करते हैं। योग के अभ्यास से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। योग आत्मविश्वास और भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देता है, जिससे व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर ढंग से कर सकता है। योगमय जीवन से सभी के मन में सकारात्मकता का संचार किया जा सकता है। योग कोई धार्मिक कर्मकांड नहीं है इसीलिए तो योगः कर्मषु कौशलम् कहा गया है। आज विदेश में योग के प्रति लोगों की रूचि अब बढ़ रही है। इसे घर- घर तक टेलीविजन माध्यम से पहुंचाने में बाबा रामदेव की भी बड़ी भूमिका है। अच्छी बात ये है कि आज तेजी से भागती दौड़ती जिंदगी में सारी दुनिया योग के महत्व को पहचान और जान रही है। योग से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि मन में सकारात्मकता का संचार होता है। देश के अधिकांश युवा आज आधुनिक जीवन शैली और सोशल मीडिया के दौर में खराब खान पान की आदतों के कारण बहुत कम आयु में ही मधुमेह ,ब्लड प्रेशर, कैंसर, सरवाइकल जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं। उन्हें स्मार्ट फोन की रील्स ने इतना व्यस्त कर दिया है कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंतन करने का समय तक नहीं निकाल पा रहे हैं। चलना -फिरना और घूमना भी लोगों का बहुत कम हो गया है और इंसान की जिंदगी ऑनलाइन लाइक्स पर ही मानो टिक गयी है। ऐसे में योग ही है जो सभी का जीवन संवार सकता है। योग मनुष्य को पवित्र बनाता है।योग जीवन का अन्तर्दर्शन कराता है। योग मनुष्य जीवन की विसंगतियों पर नियंत्रण का बेहतरीन माध्यम है। योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध करता है। योग के नियमित अभ्यास से हम अपने जीवन में संतुलन, शांति और सकारात्मकता ला सकते हैं। यह एक ऐसा मार्ग है, जो हमें स्वयं से जोड़ता है और हमें जीवन के हर पहलू में उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

यजुर्वेद में की गई पवित्रता-निर्मलता की यह कामना हर योगी के लिए काम्य है कि 'देवजन मुझे पवित्र करें, मन में सुसंगत बुद्धि मुझे पवित्र करें, विश्व के सभी प्राणी मुझे पवित्र करें, अग्नि मुझे पवित्र करे। इसलिए योग के पथ पर अविराम गति से वही साधक आगे बढ़ सकता है जो चित्त की पवित्रता एवं निर्मलता के प्रति पूर्ण जागरूक हो क्योंकि निर्मल चित्त वाला व्यक्ति ही योग की गहराई तक पहुंच सकता है। योग कोई धार्मिक कर्मकांड न नहीं है इसीलिए तो 'योगः कर्मषु कौशलम्' कहा गया है। गीता 'योग क्षेम वहाम्यहं' का उद्घोष करती है जिसका अर्थ है- अप्राप्त को प्राप्त करना और प्राप्त की रक्षा करना। सद्गुण को बांटना और दुर्गुण को नष्ट करना भारतीय संस्कृति की मूल है। योग कला, विज्ञान और दर्शन है, जो जनता को आत्मानुभूति कराने में मदद करता है। योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करना सरल है। सुबह के समय 15-20 मिनट का योग अभ्यास दिन की शुरुआत को ऊर्जावान और सकारात्मक बना सकता है। प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और कपालभाति मन को शांत करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, योग के नैतिक सिद्धांत जैसे अहिंसा, सत्य, और संतोष को अपनाकर हम अपने जीवन को और अधिक अर्थपूर्ण बना सकते हैं।महर्षि पंतजलि के अनुसार, 'योगश्चित्त वृत्तिनिरोधः'' अर्थात् चित्त की वृत्तियों को रोकने का नाम योग है। हम सभी को भी अपने चित्त से योग के विरोध की वृत्ति का त्याग कर स्वस्थ,सुदीर्घ जीवन के लिए प्रयास अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर करने चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

योग का अभ्यास जीवन में शांति, संतुलन और आत्म-जागरूकता लाता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां तनाव, चिंता और शारीरिक रोग आम हो गए हैं, योग एक ऐसी कला के रूप में उभरता है जो हमें इन चुनौतियों से निपटने में मदद करता है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्थिरता भी प्रदान करता है। योग के आसन शरीर को लचीला बनाते हैं और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं।

संपादकीय

सेहत का बॉन्ड

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पंजाब के सरकारी अस्पताल मरीजों के बढ़ते बोझ से चरमरा रहे हैं। समाज के गरीब व निम्न मध्यमवर्गीय मरीजों के उपचार की अंतिम शरण स्थली ही होते हैं सरकारी अस्पताल। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पताल खुद ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे हैं। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी अस्पतालों के लिये स्वीकृत पदों में आधे पद फिलहाल खाली है। नई पीढ़ी के डॉक्टर मरीजों के दबाव व आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के चलते सरकारी अस्पतालों को कार्यस्थली बनाने से गुरेज करते रहे हैं। निस्संदेह, निजी क्षेत्र में मोटी तनख्वाह व सुविधाएं उन्हें आकर्षित करती हैं। इधर विदेशों का मोह भी उन्हें खूब लुभाता है। यही वजह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की तो ज्यादा ही कमी है। इस समस्या से निबटने के लिये पंजाब सरकार इस सत्र से एमबीबीएस और बीडीएस के छात्रों के लिए बॉन्ड नीति लेकर आई है। निश्चय ही सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में डॉक्टरों की पुरानी कमी से निपटने के लिये एक ऐसा साहसिक कदम उठाना बेहद जरूरी था। नये नियमों के तहत, राज्य सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों से स्नातक करने वाले डॉक्टरों को दो साल के लिये अनिवार्य रूप से सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में सेवा करनी होगी। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो बीस लाख रुपये की बॉन्ड राशि का भुगतान करना होगा। वहीं अखिल भारतीय कोटे के तहत स्नातकों को अनिवार्य रूप से एक साल की सेवा सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में देनी होगी। हालांकि, यह नीति बाध्यकारी है, लेकिन यह सुनिश्चित करने का एक जिम्मेदार प्रयास है कि राज्य चिकित्सा शिक्षा में निवेश का कुछ लाभ राज्य के लोगों को भी मिलना चाहिए। यह तार्किक बात है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को राज्य सरकार भारी सब्सिडी भी देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो राज्य के मेडिकल कॉलेजों की सीटों के लिये करदाताओं द्वारा एक अंशदान दिया जाता है। यह उचित होगा कि छात्र स्नातक होने के बाद समाज में कुछ योगदान जरूर दें। यह इसलिये भी जरूरी है कि राज्य के सरकारों अस्पतालों में डॉक्टरों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति बहुत अधिक विकट है क्योंकि आमतौर डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने से कतराते हैं। बताया जाता है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत डॉक्टरों के 3,847 पदों में पचास फीसदी पद रिक्त हैं। सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों के न होने का खमियाजा मरीजों को चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के रूप में भुगतना पड़ता है। उन्हें मजबूरी में निजी अस्पतालों के महंगे उपचार लेने के लिये बाध्य होना पड़ता है। वर्षों से यह ट्रेंड चला आ रहा है कि डॉक्टर निजी प्रैक्टिस या विदेशों में बेहतर अवसरों की तलाश में सार्वजनिक चिकित्सा सेवा से किनारा करते रहे हैं। जिसके चलते शहरी-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच में एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है। निश्चित रूप से बॉन्ड नीति इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में प्रयास करेगी। इसके साथ ही कतिपय छात्र समूहों का बॉन्ड नीति का विरोध भी समझ में आता है। लेकिन बॉन्ड नीति को खत्म करने की बजाय उनकी चिंता बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनाए जाने के लिये हो। साथ ही कैरियर प्रगति के बेहतर अवसरों के मुद्दों को भी संबोधित किए जाने की जरूरत है। निस्संदेह, एक साल या दो साल का अनिवार्य कार्यकाल एक उचित मांग है, खासकर जब यह कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूती दे सके। वैसे पंजाब सरकार की बॉन्ड नीति कोई नई बात नहीं है। पहले ही कई केंद्रीय संस्थानों और अन्य राज्यों में इसी तरह के मॉडल काम कर रहे हैं।

एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है योग

(लेखक-डॉ. शंकर सुवन सिंह)

मानव का प्रकृति से अटूट सम्बन्ध होता है। समाज प्रकृति की व्यवस्था पर टिका हुआ है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। मानव या व्यक्ति समाज की एक इकाई है। कई व्यक्तियों का समूह समाज कहलाता है। मानवता का एकीकृत होना ही एकात्म मानववाद है। मानवता एकता का प्रतीक है। एकता अखण्डता को दर्शाती है। योग भारत की अक्षुण्ण एकता का परिचायक है। शरीर और आत्मा का एकीकरण मानवता को जन्म देता है। योग शरीर को आत्मिक अनुभूति प्रदान करता है। स्व के साथ अनुभूति ही दर्शन कहलाता है। एकात्म मानववाद दर्शन का ही हिस्सा है। एकात्म मानववाद विचारधारा के जनक/प्रस्तावक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी थे। एकात्म मानववाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शक दर्शन है। योग अपनेपन को विकसित करता है। अपनापन, अकेलापन को दूर करता है। अपनापन का शाब्दिक अर्थ है- आत्मीयता । आत्मीयता अर्थात अपनी आत्मा के साथ मित्रता। कहने का तात्पर्य- मनुष्य कभी अकेला नहीं होता है। मनुष्य जब नकारात्मक विचारों से ग्रसित होता है तो वह आत्मीयता अनुभव नहीं करता है। नकारात्मकता अकेलेपन को जन्म देती है। सकारात्मकता अपनेपन को जन्म देती है। अपनापन ही अकेलापन को दूर करता है। भीड़ में शामिल होने से हम अपने को अपने आप से अलग करते हैं ।भीड़ में शामिल होना अर्थात अपने को अपने आप से अलग करना हुआ। अलग होना आत्मीयता के लक्षण नहीं हैं। अपने आप को अपने से अलग करके कभी भी अकेलापन दूर नहीं किया जा सकता है। अतएव अपनी आत्मीयता को बनाए रखें। जिससे जीवन में अकेलेपन का अनुभव न हो। कोई भी व्यक्ति इस धरती पर अकेला नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भौतिक रूप से भौतिक संसाधनो व चारो ओर के आवरण से घिरा हुआ है। देखा जाए तो भौतिक रूप से भी व्यक्ति अकेला नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति न तो आध्यात्मिक रूप से अकेला है और न ही भौतिक रूप से। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। योग रोग को खत्म करता है। अयोग्य वह है जो असंतुलित है। असंतुलन आलस्य की निशानी है। आलसी व्यक्ति असंतुलित होता है। अयोग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए अनुपयुक्त होता है। योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है। चरैवेति अर्थात चलते रहना, रुकना नहीं। हर स्थिति और परिस्थिति में आगे ही आगे बढ़ते चलने का नाम जीवन है। जिस प्रकार बहते हुए जल में पवित्रता बनी रहती है उसी प्रकार निरंतर चलने वाले व्यक्ति में कर्मठता बनी रहती है। अयोग्यता ठहराओ के सिद्धांत पर आधारित है। अयोग्य व्यक्ति ठहरे हुए जल के समान है जबकि योग्य व्यक्ति बहते हुए जल के समान है। योग आंतरिक शांति या मन की शांति बनाए रखता है, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। योग से शांति, सामंजस्यता और शालीनता का विकास होता है। योग आत्मनिर्भरता के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है । 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम/प्रसंग है- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य। अर्थात पृथ्वी पर बसने वाले सभी मानव स्वस्थ्य हो और उनकी काया निरोगी हो। योग का स्वास्थ्य से घनिष्ठ सम्बन्ध है। योग से शरीर में नवीन ऊर्जा का संचार होता है। यही नवीन ऊर्जा हमारे शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण करती हैं। शरीर को पुनर्निर्मित करने का काम योग का है। योग से एकात्म मानववाद का विस्तार होता है। अतएव योग वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है) के दर्शन को फलीभूत करता है। योग से पूरा विश्व स्वस्थ्य होगा। एक स्वस्थ्य विश्व ही विश्व की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। अतः यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पूरे विश्व का स्वास्थ्य वैश्विक सम्पदा का आधार है। एक स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क नशे जैसी आदतों से दूर रहता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क स्वस्थ्य समाज की रीढ़ है। मानवता स्वस्थ्य मस्तिष्क में ही जन्म लेती है। एकात्म मानववाद की विचारधारा पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाती है। यदि पूरे विश्व की मानवता एक साथ एक मंच पर खड़ी हो जाए तो विश्व स्वर्ग हो जाएगा। इस्राइल- ईरान और रूस- यूक्रेन युद्ध अस्वस्थ्य विचारधारा का परिणाम है। मानवता जंग करना नहीं सिखाती। मानवता मानव के साथ प्रेम करना सिखाती है। एकात्म मानववाद एक स्वस्थ्य विचारधारा है। अतएव हम कह सकते हैं कि योग, एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है।

(चिंतन-मनन)

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।येन भूतान्यशेषाणि दृक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अर्थात- हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नज़रिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

विचार मंथन

ईरानी मिसाइलों से हतप्रभ होती दुनिया

(लेखक-सनत जैन)

ईरान की सैन्य शक्ति को देखते हुए वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है। 8 दिनों के भीतर जिस प्रकार ईरान ने बिना किसी दूसरे देश की सहायता लिए मिसाइल क्षमताओं का प्रदर्शन किया है. वह केवल इजराइल ही नहीं, बल्कि अमेरिका और उसके सहयोगियों देशों के लिए गंभीर चेतावनी है। ईरान की फतेह, सज्जील और अब नई तकनीकों से लैस मिसाइलों की श्रृंखला ने मिसाइल टेक्नोलॉजी को लेकर सारी दुनिया के देशों की सैन्य शक्ति को लेकर भविष्य की सोच और दिशा को बदल दिया है। 360 अंश, हाई-स्पीड कैमरों, इलेक्ट्रॉनिक डिसरप्शन टेक्नोलॉजी और हाइपरसोनिक गति वाली मिसाइलों ने अमेरिका के रडार सिस्टम को चकमा देकर अमेरिका और इजराइल जैसे देशों को बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया है। ईरान की यह तकनीकी सफलता उस सोच को भी खारिज करती है. जिसमें धार्मिक देशों को कट्टरपंथी मानते हुए विज्ञान से उनका कोई नाता नहीं है, ऐसा माना जाता रहा है। ईरान की मिसाइलों की अद्भुत क्षमता, जिसमें एक मिसाइल हवा में जाकर दर्जनों लक्ष्यों को भेद रही है. उसने अभी तक के हथियारों में सबसे ज्यादा खतरनाक बना दिया है। एक ही झटके में ईरान दुनिया के सबसे खतरनाक मिसाइल धारक देशों की कतार में खड़ा हो गया है।

अमेरिका और इजराइल मे जहां आंतरिक राजनीतिक अस्थिरता और जनमत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू का विरोध बढ़ता ही जा रहा है, वहीं इजराइल हमले के बाद ईरान की जनता पहले से ज्यादा संगठित और सरकार के पक्ष में खड़ी दिखाई दे रही है। जिन महिलाओं ने हिजाब विरोधी प्रदर्शन किए थे, आज फिलिस्तीन के समर्थन में सड़कों पर आकर इजरायल की सरकार के साथ खड़ी हैं। चीन और रूस जैसे देश खुलकर ईरान के साथ आकर खड़े हो गये हैं। ईरान की रणनीति केवल सैन्य नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक मोर्चे पर बड़ी प्रभावी साबित हो रही है। यह दुनिया के लिए सिर्फ तकनीकी आश्चर्य का विषय नहीं, बल्कि एक नई वैश्विक शक्ति संरचना और भविष्य के बदलाव की दस्तक भी है। आने वाले समय में सारी दुनिया की सैन्य शक्ति में बड़े-बड़े बदलाव हो सकते हैं। ड्रोन और मिसाइल तथा अत्याधुनिक संचार प्रणाली युद्ध के दौरान बहुत प्रभावी भूमिका अदा कर सकते हैं। जिस तरह के नए-नए प्रयोग हथियारों के रूप में देखने को मिल रहे हैं। छोटे-छोटे देश भी बड़ी-बड़ी महाशक्तियों का मुकाबला कर पाने में सफल होते दिख रहे हैं। ईरान के बारे में किसी ने भी नहीं सोचा था, कि एक कट्टरपंथी मुल्क नवीनतम तकनीकी के माध्यम से इस तरह के हथियार तैयार कर लेगा, जिसकी खबर दुनिया के किसी देश को भी नहीं थी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामनेई ने पिछले 8 वर्षों से शांतिपूर्ण ढंग से अमेरिका के प्रतिबंधों का सामना करते हुए जिस तरह की तैयारी की है जब इजराइल के खिलाफ ईरान की मिसाइल ने आसमान में अपना करतब दिखाया तो राम-रावण युद्ध की याद भी ताजा होने लगी। उस समय जब मंत्र पढ़कर तीर छोड़े जाते थे। एक तीर से कई तीर निकलते थे। एक तीर से हजारों घायल हो जाते थे। लगभग उसी तरीके की स्थिति एक बार फिर ईरान और इजराइल युद्ध के दौरान देखने को मिली है। ईरान ने जिस तरीके से अपने पक्ष में दुनिया के देशों का समर्थन हासिल किया है उससे यह बात भी प्रमाणित होती है। सत्ता का अहंकार जब सिर चढ़कर बोलने लगता है, उस समय अहंकार को खत्म करने के लिए प्रकृति भी साथ देने लगती है। यही ईरान के साथ होता हुआ दिख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दूरसंचार कंपनियों का एजीआर बढ़कर 79,226 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनियों का मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) सालाना आधार पर 12.44 प्रतिशत बढ़कर 79,226 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई ने हाल ही में एक रिपोर्ट में यह कहा। रिलायंस जियो 29,464 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ सूची में सबसे ऊपर है। यह वह राशि है जिससे सरकार लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के रूप में अपना हिस्सा एकत्र करती है। ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती समूह 26,324 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ जियो के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कंपनी ने आलोच्य तिमाही में इस खंड में 25.64 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि हासिल की। कर्ज में फंसी वोडाफोन आइडिया का एजीआर 3.84 प्रतिशत बढ़कर 7,653.53 करोड़ रुपये रहा। वहीं बीएसएनएल का समायोजित सकल राजस्व 12.45 प्रतिशत बढ़कर 2,239.54 करोड़ रुपये रहा।मार्च तिमाही के दौरान टाटा टेलीसर्विसेज का एजीआर 2.31 प्रतिशत बढ़कर 677 करोड़ रुपये और एमटीएनएल का एजीआर 6.04 प्रतिशत घटकर 147 करोड़ रुपये रहा। ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2025 की तिमाही में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं का सकल राजस्व सालाना आधार पर 11.74 प्रतिशत बढ़कर 98,250 करोड़ रुपये रहा। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के राजस्व में वृद्धि मुख्य रूप से जुलाई, 2024 में मोबाइल सेवाओं की दर में वृद्धि के कारण हुई। इस कदम से दूरसंचार कंपनियों के लिए प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) 19.16 प्रतिशत बढ़कर 182.95 रुपये हो गया। एजीआर पर लगाये गये लाइसेंस शुल्क के रूप में सरकार का संग्रह सालाना 12.46 प्रतिशत बढ़कर 6,340 करोड़ रुपये, जबकि स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क 15.08 प्रतिशत बढ़कर 1,000 करोड़ रुपये हो गया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.60 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला। बाद में पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त के साथ 86.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को 30 पैसे टूटकर दो महीने के निचले स्तर 86.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। पिछले तीन सत्र में यह कुल 69 पैसे टूटा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 फीसदी की गिरावट के साथ 98.59 पर रहा।

ओसवाल पंप्स का शेयर तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ओसवाल पंप्स का शेयर अपने 614 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 2.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 632 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 5.35 प्रतिशत चढ़कर 646.90 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 3.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 634 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,389.73 करोड़ रुपये रहा। ओसवाल पंप्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 34.42 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ 890 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयरों और प्रवर्तक विवेक गुप्ता द्वारा 81 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस तरह निर्मग का कुल आकार 1,387.34 करोड़ रुपये है। इसके लिए 584-614 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा रखा गया था। ओसवाल पंप्स ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 416 करोड़ रुपये से अधिक राशि जुटाई है। नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के कुछ पूंजीगत व्ययों के वित्तपोषण, ऋण या इक्विटी के रूप में पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी ओसवाल सोलर में निवेश, हरियाणा के करनाल में नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, ऋण का भुगतान करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

- मूल्य दायरा 700-740 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक की अनुषंगी इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने 12,500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 700-740 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को संपन्न होगा। बड़े निवेशक 24 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। आईपीओ 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक द्वारा 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। एचडीएफसी बैंक की उसकी गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में वर्तमान में 94.36 प्रतिशत हिस्सेदारी है।कंपनी के शेयर के दो जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

वोल्वो कार्स ने टाटा टेक्नोलॉजीज को बनाया रणनीतिक साझेदार

- दोनों मिलकर करेंगे ऑटोमोबाइल का डिजिटल भविष्य तय

नई दिल्ली । स्वीडिश ऑटोमोबाइल कंपनी वोल्वो कार्स ने भारतीय कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को रणनीतिक सप्लायर बना लिया है। यह साझेदारी टाटा टेक्नोलॉजीज के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। इस गठजोड़ के तहत दोनों कंपनियां मिलकर एक स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल ऑटोमोटिव भविष्य की दिशा में काम करेंगी, खासकर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) के क्षेत्र में। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज, वोल्वो कार्स को प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, एम्बेडेड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और प्रोडक्ट लाइफसायकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सेवाओं में सहायता करेगी। यह सहयोग न केवल भारत से बल्कि रोमानिया, पोलैंड और स्वीडन के गोथेनबर्ग स्थित टाटा के ऑटोमोटिव सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से भी दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीज की यह भूमिका वोल्वो के इलेक्ट्रिफिकेशन और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स को विकसित करने में मदद करेगी। कंपनी की विशेषज्ञता वोल्वो की वैश्विक इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूती देने का काम करेगी। वोल्वो कार्स लंबे समय से ऑटोमोबाइल सेफ्टी और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है। अब कंपनी मोबिलिटी को पूरी तरह से सॉफ्टवेयर-डिफाइंड प्लेटफॉर्म पर पुनर्परिभाषित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में टाटा टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है, जो अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान कर सकती हैं।

इजरायल का सरकारी खजाना खाली होने की कगार पर

जेरुसलम । मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष अब महज सैन्य टकराव नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर आर्थिक जंग में बदल चुका है। इजरायल हर दिन करीब 63 अरब रुपए (725 मिलियन डॉलर) खर्च कर रहा है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बन गया है और सरकारी खजाना तेजी से खाली होता जा रहा है। यह खुलासा इजरायली सेना (आईडीएफ) के पूर्व वित्तीय सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिजर्व) रीम अमीनाच ने किया है। उनके अनुसार, युद्ध शुरू होने के सिर्फ पहले दो दिन में ही इजरायल ने 1.45 अरब डॉलर खर्च कर दिए जिसमें हमला और रक्षा दोनों खर्च शामिल हैं। इजरायल ने ईरान पर जो पहला हमला किया, उसमें विमानों के उड़ने और हथियारों के इस्तेमाल का खर्च 593 मिलियन डॉलर था। बाकी पैसा मिसाइलों को रोकने वाले सिस्टम और रिजर्व सैनिकों को बुलाने में खर्च हुआ। अमीनाच ने यह भी कहा कि यह सिर्फ सीधा खर्च है। इनडायरेक्ट कॉस्ट, जैसे जीडीपी पर असर अभी नहीं मापा जा सकता। असली बिल तो तब पता चलेगा जब नागरिक संपत्ति को हुए नुकसान और काम में कमी जैसे खर्चों को जोड़ा जाएगा। युद्ध के चलते इजरायल की आर्थिक विकास की उम्मीदें कम हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने पहले ही इस साल के लिए जीडीपी का 4.9 फीसदी घाटा तय किया था। यह लगभग 27.6 अरब डॉलर है। देश के बजट में इमरजेंसी के लिए कुछ पैसा रखा गया था लेकिन वह ज्यादातर गाजा युद्ध में ही खर्च हो गया। अब ईरान के साथ चल रहे युद्ध के लिए अलग से कोई व्यवस्था नहीं है।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स में 1046 और निफ्टी में 319 अंकों की बढ़त

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी के साथ ही पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट भी रुक गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1046.30 अंक बढ़कर 82,408.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 319.15 अंकों के उछाल के साथ ही साथ 25,112.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों के शेयर आज बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि केवल 3 कंपनियों के शेयर ही टूटकर लाल निशान पर बंद हुए। निफ्टी की 50 में से 44 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए , वहीं 6 कंपनियों के शेयर नीचे आने के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में केवल भारती एयरटेल के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि एक्सिस बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इनके अलावा नेस्ले इंडिया के शेयर 2.98 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.86फीसदी, पावरग्रिड 2.18फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.08फीसदी, एचडीएफसी बैंक 1.54फीसदी, एनटीपीसी 1.43फीसदी, एसबीआई 1.40फीसदी, एचसीएल टेक 1.37फीसदी, सनफार्मा 1.24फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.08फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.02फीसदी तेजी के साथ बंद हुए। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 0.07 फीसदीऔर मारुति सुजुकी के शेयर 0.02 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ बंद हुए।

वहीं आज सुबह सकारात्मक एशियाई संकेतों की वजह से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत की। पीएसयू बैंक, आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 228.15 अंक बढ़कर 81,590.02 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 55.10 अंक बढ़कर 24,848.35 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी बैंक 102.35 अंक बढ़कर 55,679.80 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को जूनटीन्थ नेशनल इंडिपेंडेंस डे के अवसर पर बंद था। बुधवार को आखिरी कारोबारी सत्र में अमेरिका में डॉव जोन्स 44.14 अंक की गिरावट के साथ 42,171.66 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.85 अंक की गिरावट के साथ 5,980.87 पर बंद हुआ और नैस्डैक 25.18 अंक की बढ़त के साथ 19,546.27 पर बंद हुआ।

नामी कारोबारी संजय कपूर की संपति के तीन वारिस, लेकिन अभी कंपनी को मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा

मुंबई।

करिश्मा कपूर के पूर्व पति और नामी कारोबारी संजय कपूर के आकस्मिक निधन ने न सिर्फ उनके परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया, बल्कि अब उनके कारोबार और अरबों की संपत्ति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। दुनिया की टॉप ऑटो पार्ट्स कंपनियों में शुमार उनकी फर्म को उन्होंने खुद अपने पिता के निधन के बाद 2015 में संभाला था, और कुछ ही सालों में इंटरनेशनल लेवल पर स्थापित किया।

संजय कपूर की कुल संपत्ति कितनी है?

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय कपूर की कुल नेटवर्थ 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 10,300 करोड़) थी। 2022 से 2024 के बीच उनकी संपत्ति अपने शीर्ष स्तर 1.6 बिलियन डॉलर (13,000 करोड़) तक पहुंची थी। वे भारत और विदेशों में फैले कई व्यवसायों और निवेश योजनाओं से जुड़े थे, जिसमें ऑटो सेक्टर, टेक इनोवेशन, और लग्जरी रियल एस्टेट प्रमुख हैं।

संजय कपूर के परिवार में तीन बच्चे हैं-

संजय और करिश्मा कूपर की बेटी समायरा कपूर, बेटा कियान कपूर है। वहीं संजय की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव से एक बेटा अजरियास कपूर जो अभी सिर्फ 6 साल का है।

कंपनी की बागडोर अब सीधे तौर पर किसी वारिस को नहीं मिलेगी है, क्योंकि तीनों बच्चे अभी सक्रिय रूप से कारोबार से जुड़े नहीं हैं। इसकारण कंपनी का संचालन मौजूदा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स संभालेगा। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, संपत्ति का प्रमुख प्रबंधन उनकी पत्नी प्रिया सचदेव को सौंपा गया है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि संजय ने करिश्मा से हुए दोनों बच्चों को पहले ही 14 करोड़ रुपये के बॉन्ड्स गिफ्ट किए थे। साथ ही, उन्हें जीवन भर के लिए 10 लाख रुपये प्रति माह की मासिक आय की सुविधा दी गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने अपने बच्चों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पहले ही सुनिश्चित कर दी थी।

संजय कपूर की कई संपत्तियां अमेरिका, यूके और सिंगापुर जैसे देशों में भी हैं। अब सवाल उठता है कि इन विदेशी संपत्तियों का भविष्य क्या होगा? अगर संजय कपूर ने वसीयत तैयार की थी, तब विदेशी संपत्तियों का बंटवारा उसी के अनुसार होगा। लेकिन अगर वसीयत नहीं है, तब संबंधित देश के उत्तराधिकार कानून के तहत वैध उत्तराधिकारी को वह संपत्ति दी जाएगी। यह उस देश के कानूनी ढांचे पर निर्भर करेगा जहां वह संपत्ति स्थित है।

संभव स्टील ट्यूब्स का आईपीओ 25 जून को खुलेगा

नई दिल्ली ।

संभव स्टील ट्यूब्स ने अपने 540 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 77-82 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि आईपीओ 25 जून को खुलेगा और 27 जून को बंद होगा। यह आईपीओ 440 करोड़ रुपये के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। संभव स्टील ट्यूब्स भारत में इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड (ईआरडब्ल्यू) स्टील पाइप और स्ट्रक्चरल ट्यूब (खोखले अनुभाग) के प्रमुख विनिर्माताओं में से एक है।

सभी व्यवसाय बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है: ट्रंप

- ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी व्यवसायों को बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, अमेरिका में बहुत सारी गैर-कामकाजी छुट्टियां हैं। इससे हमारे देश को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है, क्योंकि इन छुट्टियों में सारी दुकानें और व्यवसाय बंद रहते हैं। कर्मचारी भी ऐसा नहीं चाहते हैं।

जल्द ही हम साल के हर एक कार्य दिवस पर छुट्टी मनाने लगेंगे। अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं तो इसे बदलना होगा। हालांकि, अपने इस पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवकाश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया, लेकिन यह पोस्ट 20 जून 2025 को जूनटीन्थ के दिन पोस्ट किया गया है, जो 19 जून 1865 की घटना की याद में मनाया जाता है।

19 जून 1865 के दिन टेक्सास के गैल्वेस्टन में सैनिकों ने आकर अंतिम अश्वेत दासों को मुक्त करने का आदेश दिया था, जिसे गुलामी के अंत की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जूनटीन्थ के सम्मान में अधिकतर राष्ट्रीय बैंक, संघीय कार्यालय और संयुक्त राज्य डाक सेवा बंद रहे। हालांकि, वॉलमार्ट, कॉस्टको, टारगेट और स्टारबक्स जैसे प्रमुख स्टोर छुट्टी के दिन भी खुले रहे। इससे पहले, पत्रकारों ने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से दिन में पूछा कि जूनटीन्थ को लेकर ट्रंप का प्लान क्या है? उन्होंने जवाब दिया कि मैं आज किसी आधिकारिक बयान या दस्तावेज पर उनके हस्ताक्षर के बारे में नहीं जानती। मुझे बस इतना पता है कि आज एक सरकारी छुट्टी है।

केंद्र सरकार ने सोना युक्त कीमती मिश्र धातुओं के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के संगठन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने वजन के हिसाब से 1 प्रतिशत से अधिक सोने वाले पैलेडियम, रोडियम और इरिडियम के मिश्रधातुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार यह उपाय प्लेटिनम के आयात पर मौजूदा प्रतिबंध का विस्तार करता है। बयान में कहा गया है कि इसमें अब 4 अंकों के स्तर पर संपूर्ण कस्टम्स टैरिफ हेडिंग (सीटीएच) 7110 शामिल है, जिससे कीमती धातुओं और उनके मिश्र धातुओं को नियंत्रित करने वाली आयात नीति में एकरूपता सुनिश्चित होती है। बयान में आगे कहा गया है कि यह नीति 1 प्रतिशत से कम सोने वाले मिश्र धातुओं के मुफ्त आयात की अनुमति देकर व्यापार को सुविधाजनक बनाती है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट और स्पेशल केमिकल इंडस्ट्री सहित औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्रों के लिए बिना किसी व्यवधान के इनपुट की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होती है। यह कैलिब्रेटेड दृष्टिकोण व्यापार सुविधा को नियामक निगरानी की आवश्यकता के साथ संतुलित करता है।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

- कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

नई दिल्ली ।

आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है। एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

कोर्ट ने नीरव मोदी की करोड़ों की संपत्तियों को रिलीज करने की दी अनुमति

- कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया

नई दिल्ली ।

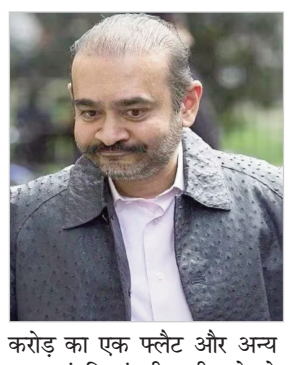

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उसकी बहन पूर्वी मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई 66.33 करोड़ की संपत्तियों को रिलीज करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया, जिसमें कहा गया था कि इन संपत्तियों को बेचकर या नीलामी के माध्यम से बैंक को हुए नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके। विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 17 जून को यह आदेश पारित किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पीएनबी को यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो इन संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि को फिर से वसूला जा सकेगा। रिलीज की गई संपत्तियों में नीरव मोदी के मुंबई के वर्ली इलाके स्थित समुद्र महल आवास से बरामद ज्वेलरी, सिक्के, घड़ियां और नकदी शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 40.83 करोड़ है। इसके अलावा, पूर्वी मोदी के नाम पर 19.50 करोड़ का एक फ्लैट और अन्य चल संपत्तियां भी इसी पते से जब्त की गई थीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को बताया है कि उसे जब्त संपत्तियों को वापस देने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी की जाएं। इसके बाद कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक की अर्जी को मंजूरी देते हुए नीरव मोदी की संपत्तियां उसे लौटाने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीरव मोदी अब भी भगोड़ा है और भारत लौटने को तैयार नहीं है। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं, जबकि नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड बनाम भारत : डेब्यू मैच में शून्य पर आउट हुए सुदर्शन, लंच तक भारत के 2 विकेट गिरे

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारत की तरफ से साई सुदर्शन ने डेब्यू किया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लंच ब्रेक तक 2 विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाए। केएल राहुल ब्रायडन कार्से की गेंद पर खराब शॉट के कारण स्लिप में कैच आउट हुए। राहुल ने 78 गेंदों पर 42 रन बनाए जिसमें 8 चौके शामिल थे। स्टोक्स ने डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन को खाता नहीं खोलने दिया और जेमी स्मिथ के हाथों शून्य पर आउट करवाया। सुदर्शन ने 4 गेंदें खेली लेकिन एक भी रन नहीं बना पाए।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर कहा, 'हम गेंदबाजी करेंगे। हेडिंग्ले एक बहुत ही अच्छा क्रिकेट विकेट है, हमने यहां कुछ बहुत अच्छे खेल खेले हैं। हम शुरुआती परिस्थितियों का उपयोग करने की कोशिश करना चाहते हैं। आने में बहुत समय लग गया, थोड़ा अजीब है कि यह सिर्फ दूसरी सीरीज है लेकिन हम तैयार हैं। यह मिश्रित रहा है, कुछ लड़कों ने काउंटी क्रिकेट खेला है, हमने तीन दिन वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला है। शीर्ष सात में सामान्य संदिग्ध, वोक्स, ब्रायडन और बाकी।

भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हम भी गेंदबाजी करते, पहले सत्र में थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन बाद में बल्लेबाजी करना अच्छा रहेगा। सूरज निकल चुका है, हमारे लिए यह एक अच्छी बल्लेबाजी डेक होनी चाहिए। तैयारी कमाल की रही है, हमने बेकेनहैम में अभ्यास मैच खेला, खिलाड़ी बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। साई ने अपना डेब्यू किया, करुण आए। साई तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की याद में भारत और इंग्लैंड ने बांधी काली पट्टियां, रखा मौन

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पहले टेस्ट मैच में काली पट्टी बांधी। यह उन लोगों के लिए बांधी गई थी जो पिछले सप्ताह अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए थे। मैच से पहले मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हमारी संवेदनाएं पिछले सप्ताह अहमदाबाद में हुई भयानक घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। 12 जून को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 240 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई, जिनमें से अधिकांश भारतीय और ब्रिटिश नागरिक थे।

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हवाई अड्डे के ठीक बाहर स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें केवल एक ही व्यक्ति जीवित बचा। भारत के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने प्री-सीरीज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कारण माहौल उदास हो जाने के बाद खिलाड़ी देश को फिर से खुश करने का कोई रास्ता खोज लेंगे।

पंत ने कहा, 'विमान (दुर्घटना) में जो कुछ हुआ, मुझे लगता है कि पूरा भारत निराश था, लेकिन साथ ही हमारी तरफ से एकमात्र बात...हम उनके साथ खड़े रहेंगे कि हम भारत को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। जाहिर है कि दुर्घटना में जो कुछ हुआ, उसके कारण भावनाएं बहुत अधिक होंगी, लेकिन साथ ही हम देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं, कि हम उन्हें कैसे खुश कर सकते हैं और यह हमेशा एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है।'

उन्होंने उस समय कहा था, 'आप भारत को हर समय खुश रखना चाहते हैं लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर यह हर समय संभव नहीं है लेकिन मैं अपनी तरफ से यह वादा कर सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और हम अपना 200 प्रतिशत देंगे और इस प्रक्रिया में हम भारत को और अधिक खुशहाल जगह बनाएंगे।'

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व : शुभमन

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक

दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है। इससे वह निडर होकर खेलेंगे। गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कप्तान ने कहा है कि वह सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं जिससे खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट सीरीजऔर डब्ल्यूटीसी चक्र में हम सफल रहेंगे। उन्होंने का कि खिलाड़ियों से सीधे संवाद की जरूरत है कि जिससे पता चले कि क्या चाहते हैं । उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए। गिल ने यह भी कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए विराट और रोहित से सलाह ली थी। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने इंग्लैंड के अपने अनुभवों के बारे में बताया था।

हॉकी खिलाड़ियों को पहली बार टॉप्स के तहत 25000 रू. प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने की कवायद में खेल मंत्रालय ने पहली बार हॉकी खिलाड़ियों को भी 25000 रूपये प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता (आउट आफ पॉकेट अलाउंस) देने को मंजूरी दी है। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बृहस्पतिवार को हुई 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह भत्ता देने का फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा ,''हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरूष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रूपये 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जायेगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है।'' उन्होंने

कहा ,' हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिये पदक जीतें।'' टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50000 रूपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह ओपीए दिया जाता है। वहीं टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल खिलाड़ियों को 50000 रूपये प्रतिमाह ओपीए मिलता है। इसके लिये हॉकी इंडिया हर महीने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 80 खिलाड़ियों की सूची सौपेगा जिसके मायने है कि इसमें बदलाव की भी गुंजाइश होगी। इसमें मूल रूप से सीनियर कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी भी होंगे जो नियमित रूप से राष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले मनोबल और बढेगा। टिर्की ने से कहा ,'' हम मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहते हैं जिसने यह अहम फैसला लिया। हमारे खिलाड़ियों को विश्व कप, ओलंपिक और एशियाई खेल जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं और उनका मनोबल इस पहल से काफी बढेगा।'' पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी का ग्राफ ऊपर की ओर बढा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक बरकरार रखा। वहीं ग्वांग्झू एशियाई खेलों में भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। हॉकी खिलाड़ियों को अपने नियोक्ताओं से वेतन मिलता है जबकि क्रिकेट की तर्ज पर ग्रेड के आधार पर अनुबंध व्यवस्था शुरू करने पर हॉकी इंडिया पिछले कुछ साल से विचार कर रहा है। इसके अलावा ओलंपिक और एशियाई खेलों समेत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर पुरस्कार राशि मिलती है।

बुमराह को नया रिकार्ड बनाने चाहिये दो विकेट

लंदन । इंग्लैंड के साथ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक नया विश्व रिकार्ड बनाएंगे। बुमराह इसी के साथ ही में सेना देशों दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं इस सूची में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम नंबर एक पर हैं। अकरम ने अपने टेस्ट करियर में सेना देशों में खेले 32 मैचों की 55 पारियों में 24.11 की औसत के साथ 146 विकेट लिए थे। वहीं जसप्रीत बुमराह 145 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने इन देशों में अभी तक 31 मैच खेलकर 21.02 की औसत से ये विकेट लिए हैं।

अगर वह पहले टेस्ट में ही 2 विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो वह सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सेना देशों में अकरम ने 146 विकेट लिए थे। वहीं बुमराह के नाम 145 विकेट हैं जबकि तीसरे स्थान पर रहे अनिल कुंबले के नाम 141 व चौथे स्थान पर रहे इशांत शर्मा के नाम 130 विकेट हैं जबकि मो शमी के नाम 123 विकेट हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे यशस्वी : रहाणे

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल जानते हैं कि सलामी बल्लेबाज की भूमिका किस प्रकार निभाई जाती है। ऐसे में वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रहाणे ने कहा कि डेब्यू के बाद से ही इस युवा बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रहाणे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'उसके पास अच्छा कौशल है। वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है। इसलिए मैं इंग्लैंड में उसके प्रदर्शन को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। रहाणे ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच दो साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था, जबकि यशस्वी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में शानदार पदार्पण करने के बाद से टीम के पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं।

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे। उस टेस्ट में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बहस हुई थी। यशस्वी ने उस पारी में शतक लगाया था। वहीं अगले ही टेस्ट में स्टार्क ने जायसवाल को शून्य पर ही पेवेलियन भेजे दिया था। गिलक्रिस्ट ने पर्थ टेस्ट और यशस्वी को लेकर कहा कहा, यह उसका (जायसवाल) दिन था। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया था। वह भारत की ओर से सीरीज में सबसे अधिक रन बनान वाले खिलाड़ी रहे थे। उन्होंने 5 टेस्ट मैच की सीरीज में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने पर्थ में 161 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। सीरीज में 2 अर्धशतक भी उनके नाम थे। यशस्वी पिछले 4 सीरीज में 3 बार भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहे हैं।

सात गोल्ड का मौका छूटा, पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज, 9 पदकों के साथ करना पड़ा संतोष

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारे वह वास्तव में चिंताजनक है। हमेशा की तरह ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में नतीजे विशेष रूप से चिंताजनक रहे जिसमें भारत एक भी स्वर्ण जीतने में असफल रहा। असल में टीम स्पर्धाओं में दो रजत पदकों

के अलावा रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। क्वालिफिकेशन राउंड के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम फाइनल में जापान के खिलाफ आसानी से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए।

रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया। महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

मेस्सी का फ्री किक पर गोल, इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन को हराया

अटलांटा (अमेरिका) । स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

हेडन और स्मिथ बोले, भारतीय टीम के लिए संघर्षपूर्ण रहेगी सीरीज

लीड्स । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी भारतीय टीम को खलेगी। इन दोनो का ही मानना है कि नये बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। हेडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन एक युवा कप्तान हैं जिनकी टीम पूरी तरह से विपरीत माहौल में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली पिचों पर खेल रही है। यह एक असल चुनौती होगी। भारतीय टीम के लिए यह दौरा एक प्रकार से बेहद कठिन परीक्षा होगा। वह इसलिए क्योंकि जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए हालात अलग होते हैं।

दिव्या देखमुख का बड़ा खुलासा, बताया वर्ल्ड नंबर वन को हराने के लिए बनाई थी खास रणनीति

मुम्बई । भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि उन्हें फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी और उनकी इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फैंस की। दिव्या देशमुख ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया। दिव्या ने कहा कि, मुझे पता था कि मुझे पूरी ताकत लगानी होगी। अगर वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिलाफ खेलने का विचार मेरे दिमाग में आता तो मैं भयभीत हो जाती। इसलिए मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किसके खिलाफ खेल रही हूं। मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मुझे केवल इतना पता था कि मुझे बाजी जीतनी है। नागपुर की 19वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि पीएम मोदी के शब्द बहुत उत्साह बढ़ाने वाले और प्रेरित करने वाले थे और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहेगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि, लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेमीफाइनल के दूसरे चरण में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई। उनकी सफलता उनके सयंम और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। ये कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

8 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे करुण नायर ने खोला राज, बताया किस चीज ने रखा प्रेरित

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत के साथ मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं। भारतीय टेस्ट टीम में आठ साल के लम्बे अंतराल के बाद वापसी करते हुए नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में नायर ने कहा, 'जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही और मेरी भूख बनी रही, हर दिन प्रशिक्षण के लिए जाने और हर दिन अभ्यास करने की प्रेरणा शक्ति। उस विश्वास को कभी नहीं खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तत्पर रहना कुछ ऐसा था

जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उस विश्वास को कभी न खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प होना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार सभी को देखा, तब मुझे वास्तव में लगा कि मैं आखिरकार टीम में हूं। तब तक यह मेरे लिए प्रतीक्षा करने जैसा था कि मैं फिर से ऐसा महसूस करूं कि मैंने इसे हासिल कर लिया है। कुछ साल हो गए हैं, मैं हमेशा सभी को टीवी पर देखता था, अब फिर से इस ड्रेसिंग रूम में वापस आना अद्भुत लगता है। आप जानते हैं, उस पहले सत्र को हासिल करना राहत की बात थी, वह अवसर पाकर आभारी हूं।'

33 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही लय में है और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के दौरान भारत ए की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कैंटरबरी में पहले मैच में दोहरा शतक लगाया। नायर ने कहा, 'जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापस आ रहा हूं, इसलिए काफी समय हो गया है और मैं इसे अपनाने की कोशिश कर रहा हूं।'

नायर ने केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर भी अपनी खुशी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि तीनों बचपन से एक साथ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे बहुत सरल रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक के बारे में सोचता हूं, कुछ लक्ष्य दिमाग में रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो आप कल्पना करते हैं उस पर वास्तविक विश्वास रखता हूं। राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला कारक है। हमने इतने सालों से क्रिकेट खेला है जब शायद हम छोटे बच्चे थे और साथ-साथ बड़े हुए थे।'

नायर ने शानदार घरेलू सीजन के दम पर वापसी की है, उन्होंने रणजी ट्रॉफी जीतने वाले अभियान में विदर्भ के लिए 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इससे पहले उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में सिर्फ 8 पारियों में पांच शतक लगाए जिसमें उनका औसत 389.50 था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बैल की वैज्ञानिक खेती

बेल हमारे देश में उगाये जाने वाला एक पोराणिक वृक्ष है। कम सिंचित भूमि में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता हैं भगवान शिव की आराधाना में बैल पत्र एवं फल का विशेष स्थान है। बेल फल के पंचांग (जड़, छाल, पत्ते, शाख एवं फल) औषधि रूप में मानव जीवन के लिये उपयोगी एवं उदर रोगों में बहुतायत से किया जाता है। राजस्थान में इसकी खेती सभी जिलों में की जा सकती है।

जलवायु

बेल एक उपरोक्त जलवायु का पौधा हैं, फिर भी इसे तथा जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। इसकी खेती समुद्र तल से 1200 मीटर ऊँचाई तक और 7-46 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान तक की जा सकती है। फूल एवं फल के विकास के समय पर्याप्त वर्षा व नमी का होना आवश्यक है। इसके लिए शुष्क एवं गर्म वातावरण उपयुक्त होता हैं

भूमि

बेल की खेती सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती हैं, परन्तु उपयुक्त जल निकास युक्त बलुई दोमट भूमि, इसकी खेती के लिये अधिक उपयुक्त हैं, भूमि की पी.एच. मान 6-8 तक अधिक उपयुक्त रहता हैं पड़ती एवं शुष्क भूमि में लगाने के लिए यह एक उपयुक्त पौधा है।

किस्में

सिवान, देवरिया, बड़ा, कागजी इटावा, चकिया, मिर्जापुरी, पंत सिवानी, पंत अर्पणा पंत उर्वषी और पंत सुजाता नेल की उपयुक्त किस्में हैं।

प्रवर्धन

बेल के पौधों का प्रवर्धन लैंगिक एवं वानस्पतिक दोनों तुरन्त बाद 15-20 सेमी. की ऊंची एवं 13 10 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई 15-20 सेमी. की ऊँची एवं 1 मी. की बैड में 1-2 सेमी. की गहराई पर फरवरी - मार्च एवं जून- जुलाई के महिने में की जाती है। जब पौधे एक वर्ष के हो जाएं अथवा तना पेंसिल की मोटाई के आकार का हो जाए तो कलिकायन करने के योग्य हो जाते हैं। जुलाई- अगस्त या फरवरी माह कलिकायन के लिए उपयुक्त समय है। बेल में पेंच कलिकायन विधि सर्वोत्तम रहती है।

पौधा रोपण

कलिकायन किये हुये पौधों के रोपण का सर्वोत्तम समय जुलाई- अगस्त है। इसके लिए जून माह में 1 3 1 3 1 मीटर के गड्ढे 8-10 मीटर की दूरी पर खोदें। इन गड्ढों को 20-30 दिनों तक खुला छोड़ कर 10-15 किलोग्राम गोबर की सड़ी

खाद तथा क्लोरोपायरीफॉस 4 प्रतिशत चूर्णत प्रति गड्ढा मिलाकर भर दें।

शिखर रोपण विधि

पुराने बीजू पौधों को कलमी पौधों में बदलने के लिये छोटी कलम बांधना चाहिये। इसके लिये पेड़ की मोटी शाखाओं को जमीन से उचित ऊँचाई (2.5-3.0 मी.) पर मार्च में शिखर से काट कर कटे हिस्से को गीली मिट्टी और टाट से ढंक देते हैं। जब इन कटे हुए भागों में नई शाखाएं निकल कर कलम बांधने योग्य हो जाएं तो उन पर जुलाई में कलिकायन कर दें तथा कलिकाओं को अच्छी तरह फुटाव उपरान्त पुरानी शाखाओं को ऊपर से काट दें। इस प्रकार से पौधों में तीसरे वर्ष से उपज प्राप्त होने लगती है।

खाद एवं उर्वरक

एक वर्ष के पौधे को 10 किग्रा. गोबर खाद, 100 ग्राम यूरिया, 150 ग्राम सुपर फास्फेट एवं 100 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश दें। यह मात्र इसी दर से 8 वर्ष तक बढ़ाते रहें। पौधों में उर्वरकों का उपयोग मार्च-अप्रैल में तथा गोबर खाद का प्रयोग जुलाई माह में करें।

सिंचाईः- बेल के नये स्थापित बगीचों में गर्मी से सात दिन के अन्तराल पर व शीतकाल में 15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें। गर्मियों में बेल का पौधा अपनी पत्तियां गिरा कर सुषुप्तावस्था में चला जाता है। सिंचाई की सुविधा होने पर मई - जून के महीने में नई पत्तियां आने के बाद 20-30 दिनों के अन्तराल पर दो सिंचाई करें।

निराई - गुडाई

बेल के थालों में खाद एवं उर्वरक के प्रयोग के समय हल्की गुड़ाई करें।

पौधों की कटाई - छंटाई

पौधों की साफ सुथरी प्ररोह विधि से करना उत्तम होता है। सधाई का कार्य शुरू के 4-5 वर्षों में ही करें। मुख्य तने को 75 सेमी. तक अकेला रखें। तत्पश्चात 4-6 शाखायें चारों दिशाओं में बढ़ने दें। सूखी तथा कीड़ों एवं बीमारियों से ग्रसित टहनियों को समय-समय पर निकालते रहें।

अन्त फसलें

शुरू के वर्षों में नये पौधों के बीच खाली जगह का प्रयोग अन्तः फसल लगा कर करें। इसके लिए दलहनी फसलें- मटर, ग्वार, लोबिया, मूंग, उड़द एवं सब्जियों- बैंगन, टमाटर, पालक, धनिया, मिर्च व लहसुन आदि को उगाया जा सकता है।

फसलों की तुड़ाई व उपज

फसल अप्रैल- मई माह मे तोड़ने योग्य हो जाते हैं जब फलों का रंग गहरे हरे रंग में बदल कर पीला हरा होने लगे तब फलों की तुडाई 2 सेमी. डण्डल के साथ करें।

कलमें पौधों में 3-4 वर्षों में फलत प्रारम्भ हो जाती है, जबकि बीजू पेड़ों में फलत 7-8 वर्ष में होती है।

पूर्ण विकसित वृक्ष (10-15 वर्ष) की उन्नत प्रजाति के पौधे से 200-400 बड़े फल एवं बीजू पौधों से प्रति पेड़ 100-200 छोटे फल प्राप्त होते हैं।

भण्डारण

बेल के फलों को शीत संग्रहण में 90 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 3 माह तक सुरक्षित रख सकते हैं।

बेल के प्रमुख कीट एवं व्याधियॉ तथा उनका प्रबन्धन

अल्टरनेरिया लीफस्पॉटः- पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के अनियमित आकार के धब्बे दिखाई देते हैं।

प्रबन्धन

कापर आक्सीक्लोराइड के 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।

केंकर

इस रोग से प्रभावित भागों पर जलशोषित धब्बे बन जाते है जो कि बढ़कर भूरे हो जाते हैं। रोगग्रस्त पत्तियों पर छिद्र बन जाते हैं।

प्रबन्धन

स्ट्रेप्थसाइक्लीन 100-200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

फलों का फटना

बोरोन व नमी की कमी की वजह से फल फटने लगते हैं अथवा पकने से पूर्व उनमें दरार पड़ने लगती है।

प्रबन्धन

बोरेक्स 0.4 प्रतिशत का छिड़काव करें व नियमित सिंचाई करें।

शाकीय फसलों में प्रमुख प्राकृतिक शत्रुओं को पहचानें

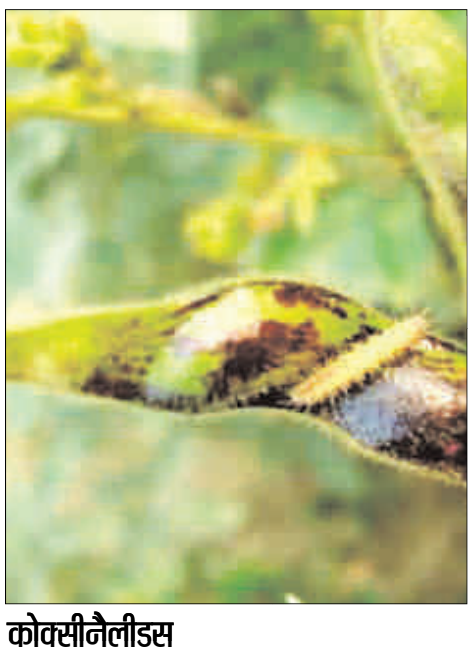

कोक्सीनैलीडस

शाकीय फसल के खेतों में सोनपंखी भृंग प्रचलित रूप से पाये जाते हैं। सोनपंखी भृंग चेपों, सफेद मक्खी, स्केल कीटों, अण्डों, निम्फों और वयस्कों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं विशेष रूप से ये बड़ी मात्रा में चेंपा से भोजन प्राप्त करते हैं। लार्वा, वयस्कों की अपेक्षा अधिक दक्ष परभक्षी होते हैं विशेष रूप से चौथा इनस्टार लार्वा अन्य इनस्टारों की अपेक्षा अधिक खाऊ भक्षक होते हैं। वे दिखने में बहुत उग्र होते हैं जिससे अक्सर लोगों को यह भ्रम होता है कि वे बहुत नुकसान पहुँचा सकते हैं जो कि सत्य नहीं है। सोनपंखी भृंग में नर भक्षण भी पाया जाता है। सी. सैप्टमपंकटाटाः वयस्क आधे मटर के आकार का होता है। पीले से लाल भूरा होता है और इसके काले रंग के होते हैं। प्यूपा हल्के भूरे रंग का होता है जिस पर काले बिन्दु लगे होते हैं। और ये पिछले सिरे की पत्तियों पर लगे हुए होते हैं। अण्डा 1-2 मि.मी. लम्बा और पीले रंग का होता है। मीनोकाईलिस सेक्समाकुलेट्सः काले धब्बों वाला सोनमुखी भृंग है। अवतानित आधार पर लम्बा और संकरा काला बैण्ड छोटे और संकरे अनुदैर्ध्य संकीर्णन या लाइन द्वारा अनुप्रस्थ अण्डाकार काले विम्बीय स्थल से जुड़ा होता है।

ग्रीन लेस विंग्स

क्राइसोपा चेंपा, कुटकी, फुदका, सफेद मक्खी, थ्रिप्स, बॉलवर्म और अन्य अनेक छोटे कीटों से अपना भोजन प्राप्त हरे या कभी-कभी भूरे होते हैं। इनकी सुनहरी आंखें होती हैं और नाजुक नेटदार पंख होते हैं।

लार्वा, जो कि बहुत अधिक सक्रिय होते हैं, धूसर या भूरे रंग के होते हैं तथा ऐलीगेटर प्रकार के होते हैं। इनकी पूरी तरह मि.मी. से 6-8 मि.मी. तक बढ़ते हैं। जो कि कुछ ही दिनों में धूसर रंग के हो जाते हैं। युवा लार्वे निर्जलीकरण के संवेदनशील होते हैं। उन्हें नमी के स्रोत की आवश्यकता होती है।

प्रेइंग मेंटिस

प्रेइंग मेंटिस परभक्षी होते हैं और वे जीवित कीटों का शिकार करते हैं। वे अपने शिकार का पास आने के लिए इंतजार करते हैं और फिर तेजी से उनको पकड़ लेते हैं। मेंटिस अपने शिकार पर आक्रमण करने के लिए आगे की दो टांगों का इस्तेमाल करते हैं। वे रात के समय सक्रिय होते हैं। वयस्क प्रेइंग मेंटिस लंबाई में 1 से.मी. से लेकर अनेक इंचों तक अलग-अलग आकार के होते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में घुल जाते हैं और उनकी नजर बहुत तेज होती है। इनमें प्रायः लैंगिक नर भक्षण भी देखा गया है।

ड्रेगन फलाई

अन्य नुकसानदायक छोटे कीटों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और मक्खियों को खाते हैं। उनके लार्वा जलचर होते हैं। वे अपने शिकार को स्पाइकों से भरी हुई टांगों से कसकर पकड़े रखती हैं। वे अपने शिकार को अपने फैलाये जा सकने वाले जबड़ों का प्रयोग करते हुए पकड़ती हैं। वयस्क ड्रेगन फ्लाई की जीवन अवधि केवल कुछ ही महीने है। इसका अधिकांश जीवन जल सतह के नीचे लार्वा की स्थिति में ही बीत जाता है। मादा ड्रेगन फ्लाई प्रायः पानी में तैरने वाले या जलमग्न पौधों पर या उसके आस-पास अंडे देती हैं। बड़ी ड्रेगन फ्लाई की लार्वा स्थिति पांच वर्षों तक चल सकती है।

डैमसल फ्लाई

वे जलीय वनस्पति और नहरों और तालाबों के नीचे पैदा होती हैं। वे जलीय कीटों और अन्य संधिपादों को खाती हैं। डैमसल फ्लाई वयस्क अपना शिकार पकड़ने के लिए अपनी टांगों को इस्तेमाल करती हैं जो कि बालों से ढकी होती हैं। वे हुए खा जाता है। वयस्क सामान्यतया पानी के नजदीक पाए जाते हैं। डैमसल फ्लाई के लंबे पतले शरीर होते हैं और वे प्रायः हरे, नीले, लाल, पीले, काले या भूरे चमकदार रंगों के होते हैं।

ट्राइकोग्रामा प्रजाति

ट्राइकोग्रामा बहुत ही छोटे बर्र होते हैं। वे बेधकों के परजीवी होते हैं। परजीवी अण्ड कार्डो को पौधे की पत्तियों के निचले किनारे की तरफस्टैपल किया जा सकता है जिससे कि परजीवी उभर सकें और परपोशी अण्डों पर आक्रमण कर सकें। प्रत्येक मादा लगभग 100 अण्डों का परजीवन करती है। छोटा जीवन चक्र होने के कारण बर्रों की जनसंख्या तेजी से बढ़ती है ट्राइकोग्रामा 75 प्रतिशत आर्द्रता के साथ 23-25 डिग्री सेंटीग्रेड के तापमान पर सक्रिय होता है। प्राकृतिक शत्रुओं की रक्षा करने वाली और उन्हें प्रोत्साहित करने वाली तथा नाशीजीवों पर उनके प्रभाव को बढ़ाने वाली फसल पद्धतियों का प्रयोग करते हुए परजीवियों का संरक्षण महत्वपूर्ण है। ट्राइकोग्रामा वाणिज्यिक सप्लायरों के पास आसानी से उपलब्ध है।

न्यूक्लिलयर पॉलीहिड्रोसिस वायरस

एनपीवी एक विशिष्ट प्रकार का रोग है। पौधों पर शाम के समय किसी भी स्प्रडेर/स्टिकर या डिटर्जेंट पाउडर के 0.5 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत जैगरी घोल जैसे सहौशधों संयोजकों के साथ 250 एल ई/हेक्टर की दर से विषाणु घोल का छिड़काव किया जाता है। यह तम्बाकू की इल्ली और सभी शाकीय फसलों पर फल बेधकों के विरूद्ध बहुत अधिक प्रभावकारी है।

एनपीवी से संक्रमित हो जाते हैं। संक्रमित लार्वा आलसी हो जाता है और भोजन करना बंद कर देता है। बाद में संक्रमित लार्वा काला हो जाता है। यह पर्ण समूह पर टंगा हुआ देखा जाता है। न्यूक्लिलयर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस में अनेक पॉलीहेड्रिल समावेशी कायाएं होती हैं जिनमें कि छड़ की प्रकार के विषाणु कण होते हैं। यह शहद की मक्खियों, मछली, स्तनधारियों और कीटों के प्राकृतिक शत्रुओं के लिए सुरक्षित हैं और इन्हें ठण्डे स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है।

परभक्षी बर्रः पीले बर्र अनेक कीटों को अपना शिकार बनाते हैं जिन्हें कि नाशीजीव माना जाता है। वे मधुमक्खियों का भी शिकार करते हैं लेकिन मधुमक्खियों से अलग इन बर्रों की कॉलोनियां प्रत्येक सर्दी के मौसम के प्रारम्भ होने पर ही मर जाती हैं। प्रत्येक सामाजिक बर्र कॉलोनी में एक रानी और रानियां भी होती हैं। कॉलोनी का आकार और संरचना भिन्न-भिन्न होती है और यह कुछ दर्जन से लेकर हजारों तक हो सकती है। मनुष्य को इनके द्वारा काटे जाने का पता उसको होने वाली एलर्जी से चलता है।

कोटेशिया

कोटेशिया इल्लियों जैसे तम्बाकू की इल्ली और चने की इल्ली का परजीवी है। कोटेशिया प्रजाति के वयस्क छोटे, गहरे रंग के बर्र होते हैं और छोटी मक्खियों से मिलते-जुलते होते हैं। उनके दो जोड़ी पंख होते हैं, पिछे के पंख आगे के पंखों से छोटे होते हैं। एन्टीना 1.5 मि.मी. लंबे और ऊपर की तरफगोलाई लिए हुए होते हैं (मुड़े हुए नहीं होते)। मादा का पेट संकरा होता हुआ बाहर की ओर मुड़ा होता है जिसे कि ऑविपॉजीटर कहते हैं जिसे वह अंडे देती है। प्यूपा परपोषी लार्वा या पौधे की पत्तियों से जुड़े पीले, रेशमी कोकून के अनियमित द्रव्य के रूप में होते हैं।

मकड़ी

मकड़ियां व्यापक रूप से होती हैं और वे अनेक कीटों से अपना भोजन प्राप्त करते हुए उत्कृष्ट परभक्षी होती हैं। मकड़ी की कुछ प्रजातियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए जालों का प्रयोग करती हैं जबकि अन्य प्रजातियां अपना शिकार लुक-छिपकर करती हैं। कुछ मकड़ियां चींटियों को भी खाती हैं। वृत्ताकार जालों को बुनने वाली ये मकड़ियां अपने शिकार को पकड़ने के लिए अपने जालों का जल्दी-जल्दी फिर से निर्माण करती हैं, उनका पुनः चक्रण करते हुए अर्थात् इस प्रक्रिया में पुराने जाल को खाते हुए।

सिर्फिड मक्खी

सिर्फिड मक्खी की अनेक प्रजातियां चेपा और साथ ही मिली बग, सफेद मक्खियों, लैपिडॉप्टेरीन लार्वा और लाभप्रद कीटों के परभक्षी होती हैं। वयस्क सामान्यतया चमकदार रंग के, मधुमक्खियों और बर्रों से मिलते-जुलते होते हैं। सिर्फिड लार्वा दिखने में और आदतों में भिन्न-भिन्न होते हैं। वे या तो अविकल्पी या विकल्पी परभक्षी होते हैं। लार्वे कुछ-कुछ लोष्ट प्रकार के होते हैं और सिर की तरफसे शुंडाकार होते हैं। प्यूपों की आकृति विशेष प्रकार से रेजिन बिन्दु प्रकार की होती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीपीआई-माओवादी से जुड़े 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया

रायपुर (एजेंसी)। सीपीआई (माओवादी) से जुड़े छत्तीसगढ़ के 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। सभी ने तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में पुलिस के सामने सरेंडर किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 2 डिवीजनल कमिटी सदस्य (डीवीसीएम) और 4 एरिया कमिटी सदस्य (एसीएम) शामिल हैं। सभी कैडर लंबे समय से माओवादी गतिविधियों में संलिप्त थे। फिलहाल तेलंगाना राज्य में इस साल अब तक कुल 566 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पूरे देश में साल 2025 में अब तक कुल 1260 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। साल 2024 में ये संख्या 881 थी। इसके पहले आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में मुठभेड़ के दौरान सीपीआई (माओवादी) के तीन बड़े नेता मारे गए थे। आंध्र प्रदेश और ओडिशा बॉर्डर के इलाके में विशिष्ट माओवादी विरोधी बल ग्रेहाउंड्स के जवानों ने तलाशी अभियान चलाया था। उन्हें इस दौरान कुछ माओवादी नजर आए, जिनसे सरेंडर करने के लिए कहा गया था। हालांकि माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन माओवादी मारे गए।

मुंबई पुलिस ने बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया है। दरअसल मुंबई में काफी समय से देह व्यापार से जुड़ी कई वारदातें सामने आ रही है। इसके बाद पुलिस ने एक्शन में आकर देह व्यापार गिरोह की जड़े काटने में जुट गई है। पुलिस ने मिली सूचना के बाद योजना के तहत एक महिला को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने पश्चिमी उपनगर में स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर एक महिला को देह व्यापार गिरोह संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक नाबालिग लड़की सहित तीन महिलाओं को बचाया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर मलाड (पश्चिम) के चिंचोली बुंदर रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर एक फर्जी ग्राहक की मदद से आरोपी महिला को रंगे हाथों पकड़ा और मौके से एक नाबालिग लड़की और दो महिलाओं को बचाया।

इजरायल में फंसे बहराइच जिले के 150 मजदूर, परिजन चिंतित

बहराइच (एजेंसी)। ईरान और इजरायल का युद्ध तेज होने के कारण करीब 150 मजदूर कई इजराइल के शहरों में फंसे हैं। इसकारण घर वालों में भी बेचैनी है। इजरायल में फंसे एक श्रमिक ने बताया कि यहां की स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए भारत वापस आना चाहता हूं। हालांकि इस समय फ्लाइट नहीं मिल पा रही हैं, इसके बाद उनके सामने सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रघुनाथपुर निवासी संदीप ने बताया कि यहां मिसाइल गिर रही हैं, लेकिन मिसाइल गिरने से पहले हम लोगों को अलर्ट मिलता है और सायरन बजने लगता है। हम लोग बंकरों में छिप जाते हैं। रोज-रोज के इन हालातों से ड्यूटी का भी हर्जा हो रहा है। अब हम लोग घर वापस जाना चाहते हैं। कमोबेश दूसरे श्रमिकों की स्थिति भी वैसी ही है। इजरायल गए मजदूर की पत्नी ने कहा कि मेरे पति एक साल से वहां काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार से मेरी मांग हैं कि उन्हें सुरक्षित वापस घर तक भेजा जाए। अब इजरायल के हालत देखकर डर लग रहा है। अभी वे लोग सुरक्षित हैं, लेकिन कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बता दें कि बहराइच के मिहीपुरवा इलाके से करीब 1500 श्रमिक विभिन्न इलाकों में इजरायल गए हुए। इनमें से अधिकतर के परिजन इस समय काफी दुविधा में हैं। अच्छी तनख्वाह से घर की स्थिति सुधर रही है, लेकिन इजरायल के बिगड़े हालात से परिवार परेशान हैं।

बिहार में तीन साल पहले बना कोठवारा-बैरिया पुल धंसा, लोग पूछ रहे इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ

गया (एजेंसी)। बिहार में बारिश के आते ही पुलों के धंसने का मामला सामने आया है। इस बार गयाजी में बने एक पुल का पाया धंस गया है। पुल का पाया धंसने के बाद सड़क पर आवागमन को लेकर लोगों को चेताया गया है। जानकारी के अनुसार गयाजी के डोभी प्रखंड क्षेत्र में पुल का एक पाया धंसा है। बताया जाता है कि जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के बीच कोठवारा-बैरिया पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। जिससे पुल में कई जगह दरारें आ गई हैं। बता दें कि कोठवारा-बैरिया पुल 3 साल पहले 2022 में बनकर तैयार हुआ था। निर्माण के तीसरे साल ही पुल का एक पाया धंसने से इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह आश्चर्य की बात है कि इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ। पुल का एक पाया धंसने के बाद किसी भी प्रकार के हादसे से बचाव के लिए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। एक बैनर लगाकर भी चेताया गया है। बैनर में लिखा हुआ है, कि यह पुल आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। शेरघाटी के एसडीओ ने कहा कि कोठवारा-बैरिया पुल के धंसने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल उन्होंने सीओ को इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

अब विमान में 11ए सीट के लिए लोग ज्यादा भुगतान करने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया विमान हादसे के बाद सीट 11ए पर एक यात्री के जीवित बचने से सबसे सुरक्षित सीटों को लेकर बहस छिड़ गई है। ऐसे में अब फ्लाइट की टिकट बुक करने वाले यात्री इस सीट के लिए एक्स्ट्रा पैसे देने के लिए तैयार हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के क्रैश होने के बाद, जिसमें 241 लोगों की जान चली गई थी, उसमें 40 साल के विश्वास कुमार रमेश बैठे इस हादसे में वह ही जीवित बचे हैं, जो सीट 11ए पर बैठे थे। जैसे ही इस बारे में लोगों को पता चला कि 11ए सीट पर बैठा शख्स जीवित बच गया है, हर कोई इस सीट के बारे में जानने को उत्सुक था।

शीर्ष खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में खुलासा, कनाडा खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह

भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की शीर्ष खुफिया एजेंसी कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में पहली बार पुष्टि की है कि कनाडा भारत विरोधी खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। यह खुलासा भारत द्वारा लंबे समय से की जा रही चिंता की पुष्टि करता है, जिसमें नई दिल्ली ने कनाडा पर भारत विरोधी तत्वों को शरण देने का आरोप लगाया था।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी मुख्य रूप से भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, धन जुटाने या योजना बनाने के लिए कनाडा को आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों (सीबीकेई) के सक्रिय समूह का उल्लेख भी किया गया है, जो हिंसक गतिविधियों के जरिए भारत के पंजाब में

स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों (सीबीकेई) के जरिए से प्रकट हुआ है, जो मुख्य रूप से भारत के पंजाब में खालिस्तान राज्य बनाने के लिए हिंसक साधनों का इस्तेमाल और समर्थन करना चाहते हैं। कनाडा की यह पुष्टि ऐसे समय में भारत और कनाडा के बीच बिगड़ते-संवरते राजनयिक रिश्तों में आया अहम पड़ाव है। 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गइ थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था।

बात दें पीएम मोदी के हाल ही में हुए दौरे के ठीक बाद यह खुलासा अल्बर्टा में जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी और पीएम नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बैठक के समय हुआ है। इस बैठक में दोनों नेताओं ने नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति और व्यापार वार्ता को फिर शुरू करके द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कदम उठाने पर सहमति जताई है।

हालांकि, कनाडा में सिख समर्थकों और कुछ सांसदों ने कार्नी द्वारा पीएम मोदी को जी7 में आमंत्रित करने के निर्णय की आलोचना की। इसके बावजूद कार्नी ने भारत के वैश्विक आर्थिक महत्व और रचनात्मक वार्ता की जरुरत पर जोर देते हुए अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना कनाडा के राष्ट्रीय हित में है, भले ही कुछ सुरक्षा चिंताएं बरकरार हों।

ओडिशा से हजारों महिलाएं गायब, इन्हें खाड़ी देशों में बेचा जा रहा

-कांग्रेस के प्रभारी लल्लू ने बीजेपी सरकार को घेरा, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। यूपी कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ओडिशा का प्रभार देख रहे हैं। ओडिशा में पार्टी को खड़ा करने, बीजेपी सरकार को घेरने और राज्य के सियासी समीकरणों से लेकर यूपी के हालात तक पर उन्होंने कहा कि बीजेपी का एक साल प्रताड़ना का रहा। अब वादों के विश्लेषण और जमीनी सचाई पर बात होगी। अब लोकतंत्र में जवाब तय करने का समय है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते समय बीजेपी ने 2036 का सपना दिखाया था, लेकिन एक साल में न सुशासन दिखाई दिया, न सामाजिक न्याय के लिए काम हुआ। योगी सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात की थी। सीएम योगी ने कहा था कि जेल तैयार है। तमाम समितियों की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार की गाथा है, फिर भी अभी तक कुछ नहीं हुआ।लल्लू ने कहा कि हम इन तमाम मुद्दों को लेकर बाकायदा लोगों के बीच जा रहे हैं। आदिवासियों के जमीन का पट्टा, राज्य से बड़ी तादाद में पलायन, उद्योग न लगना, कोल माइंस की वजह से 70 हजार लोगों का विस्थापन या उस इलाके में स्थानीय बीजेपी विधायक द्वारा 90 हजार पेड़ों को बिना इजाजत काटने का मामला हो, हम लगातार इनको उठा रहे हैं। कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। अपनी मांगों को लेकर हम गांव-गांव, ब्लॉक, पंचायत स्तर से जिला स्तर तक जा रहे हैं। साथ ही हम अपनी संगठनात्मक प्रक्रिया भी चला रहे हैं। भले ही हम वहां मुख्य विपक्षी दल न हों, लेकिन एक अच्छे विपक्ष की तरह हम सदन से लेकर सड़क तक सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बीजेडी और बीजेपी की सरकार संयुक्त रूप से पिछले 11 साल से चल रही थी, आखिर के एक साल में ये अलग हुए। अब बीजेपी सरकार में है। राज्य से 44 हजार महिलाएं गायब हैं।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने बर्खास्त स्कूल कर्मचारियों को सहायता देने पर लगाई रोक

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार से कहा है कि वह शीर्ष अदालत के आदेश के बाद बर्खास्त किए गए गैर-शिक्षण स्कूल कर्मचारियों को 26 सितंबर तक आर्थिक सहायता न दे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2016 की भर्ती प्रतीक्षा सूची में शामिल उम्मीदवारों की याचिका के बाद नौकरी से निकाले गए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते प्रदान करने के दिशा-निर्देशों को खारिज कर दिया। बंगाल सरकार के सहायता देने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाते हुए जस्टिस अमृता सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते नहीं दे सकती। यह रोक 26 सितंबर तक लागू रहेगी।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद अनियमितताओं के कारण बर्खास्त किए गए लोगों को 25,000 रुपये और 20,000 रुपये भत्ते प्रदान करना भ्रष्टाचार को पुरस्कृत करने के बराबर है। अदालत के इस फ़ैसले को कई लोग ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए झटका मान रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि इस आदेश से राज्य को अस्थायी तौर पर कई करोड़ रुपये के वित्तीय बोझ से राहत मिली है। अदालत के हस्तक्षेप से न केवल भत्ते रुक गए हैं, बल्कि बर्खास्त कर्मचारियों से जुड़े सभी मामले न्यायिक जांच के दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य सरकार को अपने रुख को अच्छे इरादे और कानूनी बाधाओं के बीच संघर्ष के रूप में पेश करने का मौक़ा मिल सकता है - एक ऐसा कथानक जिसका इस्तेमाल वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संभावित रूप से कर सकती है।

यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से उपजा है, जिसमें 2016 के एसएससी पैनल के लगभग 26,000 उम्मीदवारों की नियुक्तियाँ रद्द कर दी गई थीं, जिनमें ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के कर्मचारी शामिल थे। यह आदेश एक जांच के बाद आया, जिसमें कथित नकद-से-नौकरी घोटाले का खुलासा हुआ था। मई में, राज्य सरकार ने नौकरी से बाहर हुए ग्रुप-सी कर्मचारियों के लिए ?25,000 और ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए ?20,000 की मासिक सहायता की घोषणा की थी।

लादेन को छिपाने वाली पाकिस्तान की गलती को अमेरिका नहीं भूलेगा: थरुर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। आतंकी ओसामा विन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इससे अमेरिका आज भी नाराज है। इस मामले में पाकिस्तान की भूमिका की याद दिलाते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वॉशिंगटन ने डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना के जनरल आसिम मुनीर के बीच बैठक का उपयोग इस्लामाबाद को आतंकवाद का समर्थन न करने की सलाह देने के लिए किया होगा। थरूर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के जनरल को यह संदेश भेजना अमेरिका के हित में भी है क्योंकि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी, जो हजारों लोगों की जान लेने वाले 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था।

कांग्रेस सांसद ने यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा मुनीर को दोपहर भोज पर आमंत्रित किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यहां की। थरूर ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन न करने, आतंकवादियों को पनाहगाह न देने तथा आतंकवादियों को भारत में न भेजने, उनकी मदद न करने, उन्हें प्रशिक्षित न करने, हथियार न देने और फंडिंग न करने के महत्व की याद दिलाई होगी। उन्होंने कहा कि यह संदेश कुछ अमेरिकी सीनेटरों और कांग्रेस सदस्यों द्वारा पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को दिया गया है और उम्मीद है कि अमेरिका सरकार में सभी लोग ऐसा ही करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''ओसामा बिन लादेन ने 9/11 के हमलों में 2,000 से अधिक लोगों को मार डाला था। उसने दो प्रतिष्ठित अमेरिकी इमारतों को नष्ट कर दिया था। इसलिए, इन परिस्थितियों में, इस आदमी को छिपाने में पाकिस्तान की गलती कुछ ऐसी है जिसे अमेरिकी आसानी से नहीं भूल सकते।

यह पूछे जाने पर कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात क्यों नहीं की, बल्कि पाकिस्तानी जनरल से मुलाकात की, थरूर ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने किया, जो एक महत्वपूर्ण सम्मान था। उन्होंने कहा कि आमतौर पर संसदीय प्रतिनिधियों से देश के उप विदेश मंत्रियों जैसे वरिष्ठ अधिकारी मुलाकात करते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत पहले ही ट्रंप से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हमने बिलकुल वही संदेश दिया जो प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया था और हमारे संदेश को उपराष्ट्रपति तथा उप विदेश मंत्री ने किसी आपत्ति, असहमति या तर्क के बिना स्वीकार कर लिया। भारत-पाकिस्तान संघर्ष

को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा कथित मध्यस्थता पर थरूर ने कहा कि भारत को इसे रोकने के लिए किसी तरह के अनुनय की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि उसने यह स्पष्ट कर दिया था कि यदि पाकिस्तान रुकेगा, तो वह भी रुकेगा। उन्होंने कहा, यदि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से कोई दबाव रहा होगा तो वह केवल पाकिस्तान पर रहा होगा। जब पाकिस्तान ने संघर्ष रोकने की पेशकश की तो हमने रोक दिया। इसलिए, किसी मध्यस्थता या हम पर किसी दबाव की कोई आवश्यकता नहीं थी।

जुमे की नमाज के बाद इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नमाजियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद पर शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जव्वाद की अगुवाई में इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन के खिलाफ सैकड़ों नमाजियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इसरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की तस्वीर भी जलाई। मस्जिद के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीर और 'आई स्टैण्ड विद ईरान' की तख्ती थी। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों अयातुल्ला अली खामेनेई के समर्थन में नारा लगाया। प्रदर्शन कर रहे है शिया समुदाय के लोगों ने कहा कि हिंदुस्तान सम्वत पूरी दुनिया का शिया ईरान के समर्थन में खड़ा है। अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरान के दुश्मनों को हमारा पूरा खुला चैलेंज है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने इजरायल के झंडे जलाए और वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को कातिल बताते हुए उनकी तस्वीर जलाई। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी तस्वीर को आग के हवाले किया। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि यह बेहद अफसोसनाक है कि लोग जुल्म करने वाले इजराइल का साथ दे रहे हैं। मौलाना ने कहा कि अपने हिंदुस्तान से हम शर्मिंदा हैं, वो इजराइल का साथ दे रहा है। भारत अमेरिका के साथ खड़ा है, जो इजरायल का साथ दे रहा है। इसलिए हम लोग शर्मिंदा हो रहे हैं। हमला करने वालों का साथ देने वाला भी अन्यायी है। हमारी मांग है कि भारत सरकार ईरान का साथ दे और लोगों का खून बहने वाले इजरायल का विरोध करे।

महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद को सुलझाने फडणवीस सरकार ने उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद की उत्पत्ति राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के माध्यम से भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन में हुई है। 1 नवंबर, 1956 से प्रभावी अधिनियम ने राज्यों को भाषा आधार पर विभाजित किया। 1 मई, 1960 को अपने निर्माण के बाद से, महाराष्ट्र ने दावा किया है कि बेलगावी (तब बेलगाम), कारवार और निपानी सहित 865 गांवों को महाराष्ट्र में मिलाना चाहिए। हालांकि, कर्नाटक ने अपने क्षेत्र को छोड़ने से इंकार किया है। इसके बाद से ही यह विवाद सालों से बना हुआ है।

अब महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने कर्नाटक के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने अपनी उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) ने समिति के पुनर्गठन की पुष्टि की, जिसकी अध्यक्षता अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करने वाले है। पैनल के पुनर्गठन का निर्णय एक व्यापक, प्रतिनिधि और गैर-पक्षपाती निकाय द्वारा सर्वसम्मति-आधारित निर्णय सुनिश्चित करने

के लिए हुआ था।

दरअसल समय-समय पर नई सरकार आने पर समिति का पुनर्गठन होता रहा है। बीते साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब समिति का पुनर्गठन हुआ है। फडणवीस इस 18 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, शरद पवार और पृथ्वीराज चह्वाण शामिल हैं।

समिति के अन्य सदस्यों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पाटिल और जयंत पाटिल, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, शंभूराज देसाई, प्रकाश अबितकर, सुरेश खाड़े, भाजपा विधायक सुधीर गाडगिल, सचिन कल्याण शेट्टी, विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल विपक्ष का कोई नेता नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस के विधायकों को उच्चस्तरीय समिति में शामिल नहीं किया है।

बात दें कि ये सीमा विवाद 1957 में भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था। महाराष्ट्र ने बेलगावी को राज्य में शामिल करने की मांग की थी, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि बेलगावी में मराठी भाषी आबादी अधिक है। तब महाराष्ट्र ने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया जो वर्तमान में कर्नाटक में हैं। वहीं, कर्नाटक, राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 की महाजन आयोग रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को अंतिम मानता है।

15 साल के कियान ने दी पिता संजय कपूर को मुखाग्नि

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। वहीं निधन के सात दिन बाद संजय कपूर का गुरुवार को दिल्ली में अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान उनकी एक्स पत्नी करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों बेटी समायरा और बेटे कियान के साथ मौजूद थीं।

संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव भी परिवार के साथ मौजूद थी।

बता दें कि संजय कपूर का अंतिम संस्कार दिल्ली में लोधी रोड शमशान घाट पर किया गया। इस दौरान करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों के संग बेहद भावुक नजर आईं। पिता की अंतिम यात्रा के दौरान दोनों बच्चे कियान और बेटी समायरा मां के गले लगकर फूट-फूटकर रोए। इस दौरान करिश्मा की आंखों से भी आंसू छलक पड़े थे। इस दौरान उनकी बहन करीना और जीजा सैफ अली खान ने उन्हें संभाला। करीना भी इस दौरान काफी इमोशनल दिख रही थीं। दरअसल संजय कपूर ने तीन

शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी नंदिता महतानी से उनका शादी के चार साल बाद ही तलाक हुआ था। इनका कोई बच्चा नही हैं। साल 2003 में संजय और करिश्मा कपूर शादी के बंधन में बंधे थे। इनके दो बच्चे हैं बेटी समायरा और बेटा कियान। हालांकि साल 2016 में इनका भी तलाक हुआ था। साल 2017 में संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। इनका एक बेटा अजारियस है। लेकिन बिजनेसमैन के अंतिम संस्कार की सभी रस्में उनके और करिश्मा कपूर के 15 साल के बेटे कियान ने की। कियान ने ही पिता को मुखाग्नि दी थी।

संजय कपूर की प्रेयर मीट 22 जून को दिल्ली के ताज पैलेस होटल में शाम 4 से 5 बजे के लिए रखी गई है। प्रेस नोट में संजय कपूर की मां रानी सुरिंदर कपूर, प्रिया सचदेव और उनके बच्चे और करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों का नाम मेंशन था।

अब टिकट होगी कन्फर्म, रेलवे ने लगाई वेटलिस्ट पर 25 प्रतिशत की सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों में भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब किसी भी ट्रेन में वेटलिस्ट टिकटों की संख्या को ट्रेन की कुल क्षमता के 25 प्रतिशत तक सीमित किया जाएगा। इस नए नियम का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना और ओवरबुकिंग की समस्या को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब रेलवे हर ट्रेन के एसी फर्स्ट क्लास, एसी सेकंड, एसी थर्ड, स्लीपर और चेयर कार में कुल बर्थ/सीटों का अधिकतम 25 प्रतिशत ही वेटिंग टिकट के रूप में जारी करेगा। यह बदलाव विभिन्न कोटे- जैसे दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

रेल मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, प्रत्येक जोनल रेलवे को यह अधिकार दिया गया है कि वह अपने क्षेत्र के ट्रेनों में बुकिंग और कैंसिलेशन के पैटर्न को देखते हुए वेटिंग टिकट की सीमा तय कर सकता है। इससे ट्रेनों की प्रकृति और यात्रियों की मांग के अनुसार लचीलापन भी रहेगा। यह नई व्यवस्था न केवल यात्रियों को असमंजस से बचाएगी, बल्कि ट्रेनों में अनधिकृत भीड़ को भी कम करने में मदद करेगी। इससे बोर्डिंग प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी और आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंकड़ों से यह पता चलता है कि चार्ट बनने तक लगभग 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाते हैं। इस आधार पर नई सीमा तय की गई है ताकि यात्रियों को टिकट की स्थिति को लेकर अधिक स्पष्टता मिल सके। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सर्कुलर के बाद, देशभर के विभिन्न जोनल रेलवे इस नई व्यवस्था को लागू करने लगे हैं।रेलवे के अनुसार, यह नियम सभी श्रेणियों की ट्रेनों, जैसे कि राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, मेल/एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों पर लागू होगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेन में 1,000 सीटें उपलब्ध हैं, तो उसमें अधिकतम 250 वेटलिस्ट टिकट ही जारी किए जाएंगे। इस कदम से न केवल यात्रियों को अपनी यात्रा की पुष्टि होने की संभावना बढ़ेगी, बल्कि ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। जनवरी 2013 के सर्कुलर के अनुसार, पहले एसी फर्स्ट क्लास में अधिकतम 30, एसी सेकंड में 100, एसी थर्ड में 300 और स्लीपर क्लास में 400 वेटिंग टिकट जारी किए जा सकते थे। इसके चलते यात्रियों को अक्सर आखिरी वक्त तक टिकट कंफर्म होने की चिंता रहती थी।एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया, वेटिंग टिकटों की अधिक संख्या के कारण रिजर्व्ड कोचों में बिना कन्फर्म टिकट वाले यात्री भी चढ़ जाते थे, जिससे कोचों में भारी भीड़ और अव्यवस्था होती थी। नई नीति इस गड़बड़ी को रोकने में मदद करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राष्ट्रपति का शव नहीं लाया गया जाम्बिया

लुसाका , एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति एडगर लुंगू का शव अब तक जाम्बिया नहीं लाया गया है, क्योंकि उनके परिवार और मौजूदा राष्ट्रपति हाकेंडे हिचिलेमा के बीच अंतिम संस्कार को लेकर विवाद चल रहा है। लुंगू का 5 जून को दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल में निधन हो गया था। उनकी उम्र 68 साल थी और वे एक अनजान बीमारी से पीड़ित थे। उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होना था, जिसमें राष्ट्रपति हिचिलेमा को शामिल होना था। लुंगू परिवार के वकील मकेबी जुलु ने कहा कि लुंगू की इच्छा थी कि जब उन्हें दफनाया जाए तो हिचिलेमा उनके शव के पास कहीं भी न हों। जुलु ने कहा कि हमें उम्मीद है कि किसी दिन उनके अवशेष वापस घर लाए जाएंगे और दफनाए जाएंगे।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट, 10 हजार मीटर उठी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी से बुधवार को फिर से बड़ी मात्रा में राख और धुएं का गुबार फूटा। इसकी वजह से गांवों को खाली करना पड़ा और बाली के रिसॉर्ट द्वीप से आने-जाने वाली उड़ानें तक रद्द करनी पड़ीं। मंगलवार शाम से बुधवार दोपहर तक हुए कई विस्फोटों की वजह से 10,000 मीटर तक आसमान में राख का गुबार छा गया। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ज्वालामुखी की राख के विमान के इंजन के खतरे के चलते बाली के आई गुस्ती नगुराह राय अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की वेबसाइट के मुताबिक, बुधवार को बाली को ऑस्ट्रेलिया, मलयेशिया, भारत और चीन से जोड़ने वाली कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

रूसी हमले से कीव में मरने वालों का आंकड़ा 28 हुआ

कीव, एजेंसी। बुधवार को रूसी मिसाइल के हमले में यूक्रेन की राजधानी कीव में एक नौ मंजिला इमारत धराशायी हो गई। इस हमले के बाद मलबे से शवों का मिलना जारी है, जिसके बाद मृतकों का आंकड़ा 28 हो गया। यह कीव में इस साल हुआ रूस का सबसे बड़ा हमला है। हमले के चलते आसपास की इमारतों के भी खिड़कियां और कांच टूट गए।

ट्रंप ने संघीय जज पद पर की चाड मेरेडिथ नामांकित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय जज के पद पर चाड मेरेडिथ को नामांकित किया है। चाड मेरेडिथ केंटकी राज्य के पूर्व सॉलिसिटर जनरल रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी चाड मेरेडिथ को संघीय जज बनाने को नामांकित किया था। हालांकि सीनेटर रैंड पॉल ने नामांकन का विरोध किया था। अब एक बार फिर चाड मेरेडिथ को रैंड पॉल के विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

केन्या के धर्म गुरु गिल्बर्ट डेया की कार दुर्घटना में मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में महिलाओं का बांझपन ठीक करने और चमत्कारी शिशुओं का दावा करने वाले धर्म गुरु गिल्बर्ट डेया की मंगलवार को कार दुर्घटना में मौत हो गई। सियाया काउंटी के गवर्नर जेम्स ओरेंगो ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि गिल्बर्ट डेया की मौत एक भयानक सड़क हादसे में हुई, जिसमें कई गाड़ियां शामिल थीं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में पश्चिमी केन्या की एक सड़क पर बुरी तरह टूटी हुई गाड़ियां दिखाई गई हैं। जानकारी के अनुसार, गिल्बर्ट डेया पहले पत्थर बेचने का काम करते थे, लेकिन बाद में खुद को बिशप कहने लगे। 1990 के दशक में उन्होंने यह दावा कर के प्रसिद्धि पाई कि वे प्रार्थना से उन महिलाओं को बच्चा पैदा करने में मदद कर सकते हैं, जो गर्भवती नहीं हो पा रही थीं।

मेंढकों के भ्रूण की तस्करी में फंसी हार्वर्ड की शोधकर्ता, दोषी पाए जाने पर हो सकती है 20 साल की जेल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय की शोधकर्ता पर अमेरिका में मेंढ़कों के भ्रूण की तस्करी का आरोप लगा है। इस मामले में बुधवार को अदालत में सुनवाई हुई। अगर शोधकर्ता को इस मामले में दोषी पाया जाता है तो उन्हें 20 साल की जेल और ढाई लाख डॉलर का जुर्माना देना पड़ सकता है। आरोपी शोधकर्ता रूसी मूल की केनेनिया पेत्रोवा बुधवार को मैसाच्युसेट्स संघीय अदालत में पेश हुई, जहां सरकार और बचाव पक्ष के वकीलों में इस बात पर बहस हुई। केसेनिया पेत्रोवा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में कैंसर पर अनुसंधान करती हैं। फरवरी में जब वे फ्रांस में छुट्टियां मनाकर अमेरिका लौट रहीं थीं, तब बोस्टर लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें सीमा शुल्क विभाग द्वारा रोक लिया गया था। आरोप है कि पेत्रोवा मेंढ़क भ्रूण के अति सूक्ष्म खंडों को जोड़ने में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रयोगशाला में रुकी थीं और उन्होंने रिसर्च के लिए वहां से एक पैकेज प्राप्त किया था। संघीय अधिकारियों ने उन पर देश में बिना जानकारी दिए जैविक पदार्थ लाने का आरोप लगाया। अप्रैल में एक साक्षात्कार में आरोपी शोधकर्ता पेत्रोवा ने बताया था कि उन्हें नहीं पता था कि वस्तुओं को घोषित करने की जरूरत है और वह देश में कुछ भी चोरी-छिपे लाने की कोशिश नहीं कर रहीं थी। पेत्रोवा पर मई में तस्करी का मामला दर्ज किया गया। बुधवार की सुनवाई के बाद, अब दोनों पक्षों को न्यायाधीश के समक्ष अपनी दलीलें पेश करने का अवसर मिलेगा।

इजराइल का ईरान के एटमी रिएक्टर पर हमला : कुछ घंटे पहले शहर खाली करने की चेतावनी दी थी, अब तक 639 ईरानियों की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने ईरान में अराक हेवी वॉटर रिएक्टर पर हमला कर दिया है। हमले के बाद हुए नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। कुछ घंटे पहले ही इजराइली सेना ने अराक और खोंडब शहर के लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। अराक में हैवी वाटर रिएक्टर है। यह फैसिलिटी ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम का एक अहम हिस्सा है। इसके साथ ही अराक में बड़े पैमाने पर हथियारों का उत्पादन होता है।

इजराइल ने खोंडब में भी हमले की चेतावनी दे रखी है। खोंडब में भी ढ्रक-40 हैवी वाटर रिएक्टर है, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम का एक और अहम हिस्सा है। यह फैसिलिटी अराक से करीब 40 किलोमीटर दूर है। अराक की तरह इसे भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निगरानी में रखा जाता है। ईरान और इजराइल के बीच जंग सातवें दिन में पहुंच गई है। अब तक इजराइल के 24 लोग मारे गए हैं। वहीं, वॉशिंगटन स्थित एक ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दावा किया है कि ईरान में मौत का आंकड़ा अब 639 हो चुका है और 1329 लोग घायल हुए हैं।

अस्पताल पर ईरान का हमला युद्ध अपराध, आंतकी घटना : इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्री उरिएल बुसो ने कहा है कि सोरोका अस्पताल पर ईरान का मिसाइल अटैक आतंकी घटना और युद्ध अपराध है। इस्राइल का आरोप है कि ईरान ने जानबूझकर अस्पताल को निशाना बनाया।

इस्राइली अस्पताल पर मिसाइल हमला : इस्राइल के बीरशेबा इलाके में सोरोका अस्पताल पर ईरान ने मिसाइल हमला किया है। इस हमले में नुकसान की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। मध्य और दक्षिण इस्राइल में भी ईरानी मिसाइलों से काफी नुकसान हुआ है।

तेहरान में इस्राइली वायुसेना के हमले : इस्राइली सेना ने कहा है कि उनकी वायुसेना ईरान की राजधानी तेहरान में हवाई हमले कर रही है। ईरानी मीडिया ने कहा है कि सेंट्रल तेहरान में एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिविट कर दिया गया है।

इस्राइल ने ईरानियों को अराक रिएक्टर का इलाका खाली करने को कहा, तेहरान में किए हवाई हमले : इस्राइली सेना ने ईरान के लोगों को अराक और खोनदाब शहरों को खाली करने का निर्देश दिया है। दरअसल अराक और खोनदाब शहरों में ईरान के हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर हैं। ये हैवी वाटर परमाणु रिएक्टर्स को ठंडा करने में मदद करते हैं।

इस्राइली सेना ने घर को निशाना बनाया, फलस्तीनी बड़ी संख्या में हताहत : मध्य गाजा में इस्राइल के हमले में 100 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। अल-अक्सा शहीद अस्पताल और अल-अवदा अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक 100 से अधिक फलस्तीनी लोग घायल हुए हैं। गाजा शहर के जेइतून इलाके में इस्राइली सेना ने एक घर पर बमबारी की, जिससे बड़ी संख्या में फलस्तीनी हताहत हुए।

ईरान के साथ गाजा में भी हिंसक संघर्ष का दौर जारी : पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी टकराव के साथ-साथ इस्राइल और हमास का हिंसक संघर्ष भी जारी है। फलस्तीनी युवाओं के कुद्स न्यूज नेटवर्क और फलस्तीनी सूचना केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मध्य गाजा के नुसेरात में गाजा ब्रिज के पास इस्राइली सेना ने हमले किए। इस हमले में 16 फलस्तीनी मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं।

ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे 80 प्रतिशत से अधिक यहूदी इस्राइली : एक रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 83 फीसदी यहूदी इस्राइली लोगों ने पश्चिम एशिया के एक अन्य देश ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहे हैं। यहां तक कि एविगडोर लीबरमैन जैसे दक्षिणपंथी कट्टरपंथी नेता भी अब कह रहे हैं कि नेतन्याहू सही काम कर रहे हैं। लीबरमैन ने 2018 में सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होकर अपना कैबिनेट पद छोड़ दिया था। गाजा में युद्ध के कारण पिछले साल नेतन्याहू के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने वाले बेनी गैंट्ज ने भी कहा है कि ईरान के मामले में केवल सही या गलत का फैसला होना है, और इस्राइल सही है। बता दें कि पीएम नेतन्याहू ने बीते शुक्रवार यानी 13 जून को इस्राइली सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले का आदेश दिया।

तेहरान का आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय नष्ट कर दिया गया : इस्राइल का दावा : इस बीच, इस्राइल के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि ताजा मिसाइल हमलों में तेहरान स्थित ईरान के आंतरिक सुरक्षा मुख्यालय और रेड क्रिसेंट को नष्ट कर दिया गया है। इस्राइल-ईरान तनाव पर भारत और इस्राइल के रक्षा अधिकारियों के बीच बातचीत इस्राइल और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच बुधवार को भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रिटा.) आमिर बारम का फोन आया। इस बातचीत में मौजूदा हालात को लेकर जानकारी साझा की गई। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बताया कि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह को आज इस्राइली रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल (रि.) आमिर बारम का फोन आया। उन्होंने वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। भारत लौटीं छात्र बोली- मिसाइलें सिर के ऊपर से गुजरती थीं ईरान में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे 110 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर भारत लाया गया। सभी को लेकर एक विशेष फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी। इन लोगों में शामिल यासिर गफ्फार नाम के छात्र ने बताया कि हमने रात में मिसाइलों को ऊपर से जाते देखा और ज़ोरदार धमाकों की आवाजें सुनीं। डर का माहौल था, लेकिन अब भारत पहुंचकर राहत मिली है। यासिर ने कहा कि उन्होंने अपने सपनों को अभी नहीं छोड़ा है तनाव के चलते भारत अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने में जुटा है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर इस्राइल और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के विदेश मंत्री शुक्रवार को जिनेवा में ईरान के विदेश मंत्री के साथ अहम परमाणु बातचीत करेंगे। जर्मन राजनयिक सूत्रों की माने तो बैठक से पहले यूरोपीय देशों के मंत्री यूरोपीय संघ की प्रमुख राजनयिक काजा कैलास से जर्मनी के स्थायी मिशन में मुलाकात करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की नजरबंदी शुरू हुई, हजारों लोग समर्थन में सड़क पर उतरे

ब्यूनस आर्यस , एजेंसी। अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद छह साल घर में ही नजरबंद रहने की सजा शुरू हो गई है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को राजनीति से भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिस्टिना के समर्थन में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व राष्ट्रपति के समर्थन में रैली निकाली। क्रिस्टिना फर्नांडिज साल 2004-2007 तक अर्जेंटीना की प्रथम महिला के पद पर रहीं। इसके बाद 2007 से 2015 तक दो बार अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद पर रहीं। साल 2019 से 2023 तक क्रिस्टिना अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति रहीं। दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति पर रहा क्रिस्टिना का दबदबा इस तरह क्रिस्टिना का करीब दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति में दबदबा रहा है। आज भी क्रिस्टिना फर्नांडिज को राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के विरोध का प्रमुख चेहरा माना जाता है। विभिन्न पोल्स से पता चला है कि अभी भी फर्नांडिज और उनकी पार्टी को अर्जेंटीना के 30 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है। नजरबंदी के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का सबूत है। 72 वर्षीय फर्नांडीज ने अपने समर्थकों को रिकॉर्ड किए गए भाषण में कहा, हम वापस आएंगे, और, इससे भी बढ़कर, हम अधिक बुद्धिमत्ता, अधिक एकता और अधिक ताकत के साथ वापस आएंगे। 2022 में जिस मामले में क्रिस्टिना को पहली बार दोषी ठहराया गया था, उसमें पाया गया कि उन्होंने एक मित्र व्यवसायी को सार्वजनिक निर्माण अनुबंध देने में धोखाधड़ी की थी। हालांकि क्रिस्टिना ने आरोपों का खंडन किया है और अपने विरोधियों पर न्याय प्रणाली को उनके खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। अदालत के फैसले से पहले इस महीने क्रिस्टिना ब्यूनस आर्यस के प्रांतीय विधायिका का चुनाव लड़ने की योजना बना रहीं थीं। क्रिस्टिना के समर्थन में भारी भीड़ का जुटना अर्जेंटीना में तेज होते विभाजन का सबूत है। फर्नांडिज के कार्यकाल में कल्याण और सार्वजनिक रोजगार में खासी वृद्धि हुई, जिससे अर्जेंटीना में महंगाई में उछाल आया और देश भारी घाटे में चला गया।

कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने पद से इस्तीफा दिया

किंशासा , एजेंसी। कांगो के न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर करीब 19 मिलियन अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है। ये पैसा किसनगानी नाम के शहर में एक जेल बनाने के लिए दिया गया था। मुताम्बा का कहना है कि उनके खिलाफ जो कानूनी कार्रवाई हो रही है, वह रवांडा सरकार की एक साजिश है। उन्होंने कहा कि उन्हें जहर देने और मारने की कोशिशें भी की गईं, लेकिन वह बच निकले। मुताम्बा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग, जो कांगो के दुश्मनों के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें बदनाम करना चाहते हैं।

कांगो और रवांडा ने प्रारंभिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए : कांगो और रवांडा के प्रतिनिधियों ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक शांति समझौते के मसौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी दोनों देशों और अमेरिका के विदेश विभाग की तरफ से बुधवार को एक साथ जारी बयान में दी गई। कांगो ने आरोप लगाया है कि रवांडा देश के पूर्वी हिस्से में सक्रिय एम23 विद्रोही गुट की मदद कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इस विद्रोही गुट को रवांडा की तरफ से करीब 4,000 सैनिकों का समर्थन मिल रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बयान में कहा गया है।

इस्राइल से जंग के बीच ईरान में बदलाव की पुकार : पूर्व शाह के बेटे की जनता से अपील- उखाड़ फेंके खामनेई शासन

तेहरान, एजेंसी। ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच एक पुरानी और जानी-पहचानी आवाज फिर से गूंजी है। ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के बेटे और निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने अपने देशवासियों से मौजूदा इस्लामी शासन को समाप्त करने और लोकतांत्रिक बदलाव लाने की अपील की है। मंगलवार देर रात देश को संबोधित करते हुए रजा पहलवी ने कहा कि इस्लामी गणराज्य का अंत आ गया है और यह व्यवस्था अब टूट रही है। अयातुल्ला खामनेई एक डरे हुए चूहे की तरह बंकर में छिपा हुआ है और नियंत्रण खो चुका है।

राष्ट्रव्यापी विद्रोह के आह्वान पर जोर : इतना ही नहीं पहलवी ने ईरानी जनता से राष्ट्रव्यापी विद्रोह का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ईरान को फिर से आजाद और लोकतांत्रिक रास्ते पर ले जाया जाए। उन्होंने आश्वासन दिया कि हमें इस्लामी गणराज्य के पतन के बाद पहले 100 दिनों की योजना तैयार है। हम संक्रमणकालीन सरकार के लिए तैयार हैं और जनता द्वारा चुनी गई लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना करेंगे।

पहलवी ने ईरानी सुरक्षा बलों से की अपील : अपने बयान में आगे रजा पहलवी ने ईरान की सेना, सुरक्षा बलों और सरकारी कर्मचारियों से एक खास संदेश दिया। इशसके की है। उन्होंने सुरक्षाकर्मी और

कर्मचारियों से अपील भी की कि वे शासन के साथ खड़े न हों और लोगों का साथ दें। उन्होंने कहा कि अपने जीवन को एक गिरती हुई व्यवस्था के लिए बर्बाद न करें। जनता के साथ खड़े होकर इतिहास बनाएं। बता दें कि पहलवी का यह बयान उस समय आया है जब इस्राइल ने 13 जून को ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले किए। इस हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों से पलटवार किया। माना जा रहा है कि यह क्षेत्र एक बड़े युद्ध की ओर बढ़ सकता है। मिलकर लिखेंगे इतिहास का नया अध्याय इसके साथ ही निर्वासन में रहते हुए भी कई ईरानी क्राउन प्रिंस माने जाने वाले रजा पहलवीने कहा कि हमारा भविष्य उज्जवल है। हम मिलकर इतिहास का नया अध्याय लिखेंगे। एक आज़ाद और समृद्ध ईरान हमारा इंतज़ार कर रहा है। हालांकि इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान में शासन परिवर्तन की बात कह चुके हैं। नेतन्याहू ने इसे कट्टरपंथी और तानाशाही शासन बताया, जबकि ट्रंप ने कहा कि रान जैसे कट्टरपंथी देश के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए।

अब कनाडा की खुफिया एजेंसी ने भी माना- कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे खालिस्तानी चरमपंथी

ओटावा, एजेंसी। आखिरकार कनाडा ने भी मान लिया है कि खालिस्तानी आतंकी कनाडा में बैठकर भारत में हिंसा फैला रहे हैं। भारत सरकार लंबे समय से यह बात कह रही है, लेकिन पूर्व की ट्रूडो सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, लेकिन अब कनाडा में मार्क कार्नी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने माना है कि खालिस्तानी कनाडा का इस्तेमाल भारत में हिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं।

कनाडा की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में दावा : कनाडा की खुफिया एजेंसी कनाडा सिक्योरिटी इंटेलीजेंस सर्विस ने अपनी एक रिपोर्ट में पहली बार आधिकारिक रूप से कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी और उनके भारत में हिंसा से जुड़ाव को स्वीकार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी भारत में हिंसा का समर्थन करने, हिंसा के लिए फंड इकट्ठा करने और हिंसक गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल रहे हैं। सीएसआईएस ने अपनी 2024 सालाना रिपोर्ट में भारत की लंबे समय से

चली आ रही चिंताओं पर अपनी मुहर लगाई है और माना है कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी है। यह भारत के लिहाज से अहम बात है। रिपोर्ट में लिखा है कि 1980 के मध्य में राजनीति से प्रेरित हिंसक चरमपंथ की शुरुआत कनाडा में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथियों से हुई, जो हिंसा के जरिए भारत के पंजाब में एक अलग देश खालिस्तान बनाना चाहते हैं। अब कनाडा में थोड़ी संख्या में मौजूद खालिस्तानी चरमपंथी हिंसा के जरिए अपनी कोशिशों में जुटे हैं। पीएम मोदी के कनाडा दौरे से बदले हालात कनाडा की खुफिया एजेंसी का यह खुलासा ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा की यात्रा की और वे जी-7 सम्मेलन में शामिल हुए। साल 2023 में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई थी। कनाडा की जांच एजेंसियों ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता का दावा किया था।

अमेरिका में दो भारतीय छात्रों को लाखों डॉलर के घोटाले में सजा, बुजुर्गों को बनाते थे निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पढ़ रहे दो भारतीय छात्रों को अलग-अलग लेकिन समान धोखाधड़ी के मामलों में जेल की सजा सुनाई गई है। इन दोनों पर बुजुर्ग अमेरिकियों को धोखाधड़ी से निशाना बनाकर लाखों डॉलर का नुकसान करने का आरोप है। 20 वर्षीय किशन राजेशकुमार पटेल को, जो छात्र वीजा पर अमेरिका आया था, इस सप्ताह मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के आरोप में दोषी पाए जाने पर 63 महीने (पांच साल से अधिक) जेल की सजा सुनाई गई। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के अनुसार, पटेल ने एक ऑनलाइन फ़िशिंग धोखाधड़ी में भाग लिया, जिसमें उसने अमेरिका के सरकारी अधिकारी बनकर वरिष्ठ नागरिकों से पैसे और सोना लूटा।

बुजुर्ग अमेरिकियों को सरकारी अधिकारी बनकर लूटा : न्याय विभाग ने कहा, साजिश में विभिन्न ऑनलाइन फिशिंग तरीकों का इस्तेमाल किया गया और आरोपियों ने अमेरिकी सरकारी अधिकारी बनकर लोगों से धोखाधड़ी की। आरोपी छात्र किशन पटेल ने एक हिस्सा सह-साजिशकर्ताओं को दिया और एक प्रतिशत अपने पास रखा। जांच में पाया गया कि कम से कम 25 बुजुर्ग पीड़ितों को ठगा गया, जिससे उन्हें 2,694,156 डॉलर का नुकसान हुआ। पटेल को 24 अगस्त, 2024 को टेक्सास के ग्रेनाइट शोल्स में गिरफ्तार किया गया था, जब वह एक पीड़ित से 130,000 डॉलर वसूलने की कोशिश कर रहा था। वह 29 अगस्त से संघीय हिरासत में है।

एक अन्य भारतीय छात्र को हो चुकी है आठ साल जेल की सजा : एक अन्य आरोपी ध्रुव राजेशभाई मंगुकिया, जो भी एक भारतीय नागरिक भी हैं, ने 16 जून, 2025 को अपना अपराध स्वीकार किया और अब उसकी सजा का एलान होना है। एक अन्य भारतीय छात्र मोइनुद्दीन मोहम्मद को भी इस साल की शुरुआत में इसी तरह के घोटाले के लिए आठ साल की जेल की सजा सुनाई गई थी, जिसमें बुजुर्ग अमेरिकियों से लगभग 60 लाख डॉलर की ठगी की गई थी। तीनों छात्र वीजा पर अमेरिका में थे, अमेरिकी अधिकारियों ने उन शैक्षणिक संस्थानों का खुलासा नहीं किया है जिनमें वे पढ़ाई कर रहे थे।

पाकिस्तान आर्मी चीफ की मांग- ट्रम्प को नोबेल पुरस्कार मिले : भारत-पाक संघर्ष खत्म कराने का क्रेडिट दिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग की है। उन्होंने यह पुरस्कार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने में ट्रम्प की अहम भूमिका के लिए मांगा। आसिम मुनीर अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। यहां ट्रम्प और मुनीर की मीटिंग बंद कमरे में हुई। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि ट्रम्प, मुनीर की मेजबानी करेंगे क्योंकि मुनीर ने ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार देने की मांग की है। ट्रम्प ने मुनीर को इसके लिए शुक्रिया कहा। उन्होंने कहा- मुझे पाकिस्तान से प्यार है। इस मुलाकात से पहले, क्रूमोदी ने ट्रम्प से फोन पर बातचीत की। तब मोदी ने कहा कि सीजफायर सीधी बातचीत से हुई। उन्होंने अमेरिका की मध्यस्थता से इनकार किया। ट्रम्प ने मुनीर की तारीफ की, अमेरिकी-पाकिस्तानियों ने तानाशाह कहा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का यह पहला मौका है जब किसी पाक सेना प्रमुख से अकेले, बिना अधिकारियों के, बात की। ट्रम्प ने कहा- मुनीर से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। उन्होंने भारत के साथ युद्ध रोकने में अहम भूमिका निभाई। व्हाइट हाउस में हुई यह बैठक गोपनीय थी। पाकिस्तानी न्यूज डान के मुताबिक ट्रम्प ने मुनीर की तारीफ करते हुए कहा उन्होंने भारत-पाक तनाव को बढ़ने से रोका। असीम मुनीर और ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में ईरान-इजराइल संघर्ष पर भी चर्चा की। पांच दिन की यात्रा पर आए मुनीर ने वाशिंगटन में पाकिस्तानी समुदाय से कहा - भारत पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगाकर सीमा उल्लंघन कर रहा है। हम शहादत स्वीकार करेंगे, लेकिन अपमान नहीं। मुनीर ने ईरान-इजराइल युद्ध

खत्म करने की वकालत की और अमेरिका के साथ आतंकवाद विरोधी साझेदारी की तारीफ की। दूसरी ओर उन्हें वॉशिंगटन में विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिकी-पाकिस्तानी नागरिकों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया। ट्रम्प ने फिर कहा- मैंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया था। ट्रम्प का यह बयान बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत के 12 घंटे बाद आया है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से फोन पर बातचीत की, जो लगभग 35 मिनट तक चली। बातचीत के दौरान क्रूमोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत में आग की घटनाएं

सरोली की सालासर मार्केट में आग लगने से लाखों रुपये का कपड़े का स्टॉक जलकर राख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सारोली इलाके में स्थित सालासर मार्केट में आज दोपहर भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट के कारण लगी इस आग में लाखों रुपये का कपड़े का स्टॉक जलकर खाक हो गया। हालांकि, सौभाग्यवश कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सालासर मार्केट की एक दुकान से धुआं निकलता देखा गया, जिससे आसपास के व्यापारियों में हड़कंप मच गया। आग ने जब विकराल रूप धारण किया, तो दुकान से आग की लपटें और घने धुएं के गुबार उठने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और युद्धस्तर पर आग बुझाने का काम शुरू किया। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि फायर फाइटर्स को दुकान के कांच तोड़कर अंदर से कपड़े के गट्ठर बाहर फेंकने पड़े। काफी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कपड़े का बड़ा स्टॉक जल जाने से व्यापारी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। फायर विभाग द्वारा आग लगने के सटीक कारण और नुकसान के आकलन के लिए आगे की जांच जारी है।

पीड़ित ने कमिश्नर और कलेक्टर से हाथ जोड़कर गुहार लगाई है कि फ्लैट खाली करवाया जाए

हमारा फ्लैट दिलवाइए— कमिश्नर और कलेक्टर को आवेदन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कीर्ति पटेल को दो करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। अब कीर्ति पटेल के शिकार बने अन्य लोग भी सामने आ रहे हैं।

एक दंपति, जिसने कीर्ति पटेल के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग (भूमि हड़पने) की शिकायत की है, ने पुलिस कमिश्नर और कलेक्टर के सामने हाथ जोड़कर न्याय की अपील की है।

आरोप है कि कीर्ति पटेल पिछले छह वर्षों से इस दंपति का फ्लैट कब्जा करके बैठा है। वहीं कीर्ति पटेल की बहन का दावा है कि उन्होंने वह फ्लैट खरीदा है। इस मामले की जांच पुणा पुलिस द्वारा की जा रही है और आने वाले समय में कीर्ति पटेल के खिलाफ भूमि कब्जा करने का मामला दर्ज होने की भी संभावना जताई जा रही है। कुशल दर्शन वाटिका सोसायटी में फ्लैट नंबर 203 कीर्ति को किराए पर दिया गया था।

मिली जानकारी के अनुसार, परवत पाटिया क्षेत्र में मूल रूप से मेहसाणा के रहने वाले कीर्ति भाई पटेल अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके पत्नी मंजुलाबेन के नाम पर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए वर्ष 2016 में पुणागाम क्षेत्र की कुशल दर्शन वाटिका सोसायटी में फ्लैट नंबर 203 खरीदा गया था, जिसकी कीमत 20 लाख रुपये से अधिक है। साथ ही इस फ्लैट पर हाउसिंग लोन भी लिया गया था।

वर्ष 2019 में इस फ्लैट को कीर्ति पटेल को किराए पर रहने के लिए दिया गया था। इस दंपति ने पुणा पुलिस में की गई शिकायत में बताया कि इस फ्लैट का किराया 9,500 रुपये तय किया गया था और 30,000 रुपये बतौर डिपॉजिट लिए गए थे। कुछ समय बाद कीर्ति पटेल मशहूर हो गई और सोसायटी में न्यूंसेंस (उपद्रव) फैलाने लगी।

जब उसे फ्लैट खाली करने के लिए कहा गया, तो शुरुआत में वह कोरोना का बहाना बनाने लगी, और बाद में अन्य बहानों के जरिए लगातार फ्लैट खाली करने से इनकार करती रही। साथ ही, वह किराया भी नहीं दे रही थी।

इस संबंध में वर्ष 2022 में पुणा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। दंपति का कहना है कि उन्होंने कीर्ति पटेल को कई बार बताया कि फ्लैट की लोन की किश्तें वे खुद भर रहे हैं, फिर भी कीर्ति न तो किराया देती थी और न ही फ्लैट खाली करती थी।

गुम हुए गुजराती फिल्ममेकर की प्लेन क्रैश में मौत की पुष्टि डीएनए टेस्ट, एक्टिवा के इंजन और चेसिस नंबर, सीसीटीवी फुटेज के बाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद लापता हुए गुजराती फिल्ममेकर महेश जीरावाला का शव परिवार को सौंप दिया गया है। डीएनए मैच हो जाने के बावजूद परिवार यह मानने को तैयार नहीं था कि यह शव फिल्ममेकर का ही है। लेकिन पुलिस ने इस कठिन परिस्थिति में भी जली हुई एक्टिवा के इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर वाहन की पहचान की, सीसीटीवी फुटेज और अन्य कई सबूत इकट्ठा कर परिवार को यह विश्वास दिलाने में सफलता पाई कि शव महेश जीरावाला का ही है। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान आमतौर पर सख्त मानी जाने वाली पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली देखने को मिली।

एयर क्रैश साइट के पास मोबाइल स्विच ऑफ हुआ था, ऐसी जानकारी सामने आई थी। अहमदाबाद शहर के मेघाणीनगर क्षेत्र में विमान हादसा होने के बाद, नरोदा इलाके के मुरलीधर हाइट्स, डी मार्ट के पास रहने वाले महेशभाई गिरधरभाई कालावाडिया उर्फ महेश जीरावाला (उम्र 34), जो कि एक गुजराती फिल्म डायरेक्टर थे, वे अपनी एक्टिवा लेकर घर से निकले थे और शाहिबाग सिविल अस्पताल के आसपास से लापता हो गए थे। उनके भाई कार्तिकभाई गिरधरभाई कालावाडिया ने उनके लापता होने की रिपोर्ट अहमदाबाद शहर के नरोदा पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी।

इस मामले में तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह जानकारी मिली कि महेश कालावाडिया उर्फ महेश जीरावाला का मोबाइल फोन एयर क्रैश की जगह के नजदीक बंद हुआ था। इसी आधार पर प्रथम दृष्टया यह संदेह हुआ कि वे एयर क्रैश की घटना के शिकार हो सकते हैं। जब यह बात उनके परिजनों को बताई गई, तो वे इसे मानने को तैयार नहीं थे।

डीएनए मैच होने के बावजूद परिवार मानने को तैयार नहीं था। अहमदाबाद शहर के सेक्टर-2 के जयपालसिंह राठौड़ और डीसीपी रवि मोहन सैनी ने लापता महेशभाई कालावाडिया के परिवारजनों को समझाया कि डीएनए टेस्ट करवाना जरूरी है। संदेह को दूर करने के लिए भी डीएनए टेस्ट जरूरी बताया गया। इसके बाद महेशभाई के भाई कार्तिक कालावाडिया के डीएनए सैंपल लिए गए।

परिवार को पूरा भरोसा था कि महेशभाई के लापता होने का विमान हादसे से कोई संबंध नहीं है। लेकिन जब फोरेंसिक विभाग से डीएनए रिपोर्ट आई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ—पुलिस द्वारा क्रैश साइट से कब्जे में ली गई डेड बॉडी के डीएनए सैंपल से कार्तिकभाई का डीएनए मेल खा गया। इससे यह पुष्टि हो गई कि प्लेन क्रैश में महेशभाई कालावाडिया की ही मृत्यु हुई है।

साइबर फ्रॉड का एपि सेंटर बना सूरत

270 दिनों में 13 निजी और 11 सरकारी बैंकों में 1405 खाते खोले, 2600 करोड़ से अधिक की ठगी,औसतन रोज़ाना खुले 5 खाते

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत साइबर अपराध का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। बीते 270 दिनों में सूरत में 13 निजी और 11 सरकारी बैंकों में कुल 1405 बैंक खाते खोले गए, जिनका इस्तेमाल विभिन्न साइबर फ्रॉड में किया गया। इन खातों के जरिए कुल 2600 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया गया।

औसतन प्रतिदिन 5 फर्जी बैंक खाते खुलवाए गए और उनका इस्तेमाल देशभर में फैले साइबर अपराध में किया गया। यह खुलासा साइबर क्राइम यूनिट की जांच में हुआ है, जिससे सूरत की भूमिका साइबर फ्रॉड के च्एपीसेंटरज् के रूप में सामने आई है।

टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के रूप में पहचान रखने वाला सूरत अब अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड करने वाले माफियाओं के लिए च्हबज् बनता जा रहा है। पिछले 9 महीनों में सूरत पुलिस ने बड़े साइबर रैकेट का पर्दाफाश किया है, जिसमें 2600 करोड़ रुपये से ज्यादा के लेनदेन 2007 बैंक खातों के माध्यम से किए गए। हैरान करने वाली बात यह है कि इन खातों में से 70ब्र बैंक खाते सूरत के हैं। यानी 1405 खाते केवल सूरत से जुड़े हुए हैं।

इन खातों का इस्तेमाल विदेशों में बैठे साइबर माफिया सूरत के स्थानीय लोगों की मदद से कर रहे हैं। इस बढ़ते साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए सूरत पुलिस ने बैंकों के साथ मिलकर एक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार करने का निर्णय लिया है।

साइबर फ्रॉड रैकेट की जांच के दौरान सूरत पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारियां मिली हैं। कुछ बैंक खाताधारकों ने तो कमीशन लेकर खुद ही अपने खाते साइबर अपराधियों को सौंप दिए थे, जबकि कुछ मामलों में खाताधारकों की जानकारी के बिना ही उनके नाम पर बैंक खाते खोलकर उनका उपयोग साइबर अपराध में किया गया।

चाइनीज़ गैंग द्वारा देशभर में साइबर फ्रॉड की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिसमें सबसे अहम भूमिका सूरत में खोले जा रहे बैंक खातों की है। सूरत एक औद्योगिक शहर है, जहां अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में लोग रोज़गार के लिए आते हैं। यहां आने वाले अधिकांश श्रमिक उतनी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए होते कि उन्हें समझ में आ सके कि उनके बैंक खाते का उपयोग कैसे किया जा सकता है। यही कारण है कि साइबर माफिया सूरत में सबसे बड़ी संख्या में अलग-अलग लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते हैं।

बैंक खाता खुलवाने के बदले में लोगों को 5,000 से 10,000 रुपये तक दिए जाते हैं। कई मामलों में तो पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि लोग पैसों के लालच में खुद ही अपना बैंक खाता किराए पर दे देते हैं।

सूरत पुलिस ने अब तक जितने भी साइबर फ्रॉड मामलों का खुलासा किया है, उनमें सभी का अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आया है। खास तौर पर दुबई, क्यूबा, थाईलैंड, सिंगापुर, पाकिस्तान और म्यांमार जैसे देशों का इसमें शामिल होना पाया गया है।

इन सभी साइबर फ्रॉड घटनाओं को चीन की गैंग्स द्वारा संचालित किया जाता है, और इन फ्रॉड को अंजाम देने के लिए भारत — खासकर सूरत के लोगों के बैंक खातों का उपयोग किया जा रहा है।

सूरत पुलिस ने फिलहाल साइबर फ्रॉड के खिलाफ एक विशेष मुहिम शुरू की है, जिसके तहत अब तक चार से अधिक बड़े मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें 100 करोड़ से लेकर 2050 करोड़ रुपये तक के साइबर फ्रॉड के लेन-देन हुए हैं।

अलग-अलग गैंग के लोग सूरत में स्थानीय लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके बैंक अकाउंट की डिटेल्स हासिल कर लेते हैं। उसके बाद उन खातों के लिए लॉग-इन और पासवर्ड बनाकर विदेश में बैठे मास्टरमाइंड को सौंप देते हैं। इसके बाद इन खातों के जरिए साइबर क्राइम की शुरुआत होती है।

डूंगरा दरगाह पर 35वां उर्स श्रद्धा, सहयोग और सेवा भाव के साथ सम्पन्न

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी,वलसाड़ जिले के डूंगरा दरगाह पर मंगलवार को 35वां उर्स बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सौहार्द के साथ मनाया गया। इस धार्मिक आयोजन का नेतृत्व मोहम्मद भाई अंसारी और उनके साथियों द्वारा किया गया, जिसमें डूंगरा गांव के सभी लोगों ने भरपूर सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से शाकाहारी लंगर का आयोजन किया गया, जिसका लाभ सैकड़ों श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों ने उठाया। लंगर सेवा में डूंगरा के स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा भाव का परिचय दिया।

नारायण साईं को 5 दिन की जमानत मिली, जब्ती दस्ते के साथ जोधपुर जाने का खर्च खुद उठाना होगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आसाराम के बेटे नारायण साईं को कोर्ट से 5 दिन की अंतरिम जमानत मिली है। उन्हें यह अनुमति दी गई है कि वे जरूरी कार्य के लिए जोधपुर जा सकें, लेकिन शर्त यह है कि उनके साथ पुलिस की निगरानी में जब्ती दस्ते को भेजा जाएगा और इस दौरान यात्रा व अन्य खर्च नारायण साईं को खुद वहन करना होगा।

सूरत की लाजपोर जेल में बंद आसाराम के बेटे नारायण साईं को गुजरात हाईकोर्ट ने 5 दिन की अंतरिम जमानत दी है। राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद उनके पिता आसाराम की तबीयत खराब होने के कारण नारायण साईं ने हाईकोर्ट में अस्थायी जमानत के लिए आवेदन किया था। कोर्ट ने नारायण साईं की यह याचिका मंजूर कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोधपुर जेल में बंद पिता आसाराम की तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलने पर नारायण साईं को उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। वह सूरत की लाजपोर जेल से जोधपुर जा सकेंगे। हालांकि, उन्हें पुलिस सुरक्षा (जाप्ता) के साथ भेजा जाएगा और यात्रा से संबंधित सभी खर्च नारायण साईं को स्वयं वहन करने होंगे।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले भी गुजरात हाईकोर्ट ने मानवीय आधार पर नारायण साईं को पिता आसाराम से मिलने के लिए जमानत दी थी। उस समय भी उन्हें जोधपुर जेल में जाकर चार घंटे की मुलाकात की अनुमति दी गई थी।

ना पुलिस का डर, न कानून का खौफ

सूरत में बूटलेगर ने सड़क के बीच में केक काटकर मनाया जन्मदिन सेलिब्रेशन की रील भी बनाई; पुलिस ने किया गिरफ्तार,माफ़ी मंगवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कानून को ठेंगा दिखाते हुए एक बूटलेगर ने सड़क के बीचोंबीच केक काटकर जन्मदिन मनाया। इतना ही नहीं, उसने इस पूरे जश्न की वीडियो रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी, जिसमें डायलॉग था -**ना पुलिस का डर है, न कानून का खौफ**

इस खुलेआम कानून उल्लंघन के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी बूटलेगर धवल राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस के सामने धवल ने कान पकड़कर माफी मांगी और कहा - कानून में रहोगे तो फायदे में रहोगे। इस घटना ने शहर में कानून व्यवस्था और सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

सूरत के मोटा वराछा में बूटलेगर ने सड़क पर केक काटकर ट्रैफिक में बाधा डालते हुए जन्मदिन मनाया, वीडियो वायरल होने पर तीन लोगों को पकड़कर पुलिस ने कानून का पाठ सिखाया

सूरत के मोटा वराछा इलाके में एक बूटलेगर द्वारा सड़क के बीच में केक काटकर और पटाखे फोड़कर जन्मदिन मनाया गया, जिससे ट्रैफिक बाधित हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही उत्राण पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और तीन आरोपियों को पकड़कर उन्हें कानून का एहसास कराया।

गौरतलब है कि इस जश्न की एक इंस्टाग्राम रील भी बनाई गई थी, जिसमें डायलॉग था - ना पुलिस का डर है, ना कानून का खौफ

सूरत में पुलिस कमिश्नर द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किया गया है कि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक जगहों पर जन्मदिन जैसे आयोजनों की अनुमति के बिना कोई भी पार्टी या प्रदर्शन नहीं कर सकता। इसके बावजूद शहर में कई बार लोग सड़कों पर जन्मदिन मना कर कानून को चुनौती देते हैं।

इस मामले में भी मोटा वराछा क्षेत्र में रहने वाले बूटलेगर धवल राठौड़ ने सड़क के बीच चाकू से केक काटा, पटाखे फोड़े और खुलेआम कानून का उल्लंघन किया। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई कर सभी को सबक सिखाया।

रात को सड़क पर केक काटते हुए और ट्रैफिक को बाधित करते हुए लोगों को प्रभावित करने की कोशिश की गई। यही नहीं, इस मौके पर एक रील भी बनाई गई थी, जिसमें डायलॉग था -ज्ना पुलिस का डर है, ना कानून का खौफ।

वीडियो वायरल होने के बाद उत्राण पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया। वीडियो के आधार पर मुख्य आरोपी बूटलेगर धवल राठौड़ को हिरासत में लिया गया।